# मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 28 मार्च 2026

संवत 2083, चैत्र शुक्ल 10 संवत मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 192 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ अदालत की कसौटी में स्थानांतरण नीति

मानसी पारेख ने अपने नाम की उपलब्धि बताया अपनी सफलता का मूल मंत्र 6


### खूंटी पहुंचे उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

# उलिहातू में बिरसा मुंडा को किया नमन,आईआईएमए रांची के दीक्षांत समारोह में होंगे शामिल

## उलिहातू में बिरसा मुंडा के वंशजों से की मुलाकात

मेट्रो रेज

**रांची/ खूंटी:** राजधानी रांची में आज आईआईएम का 15वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन रांची पहुंच चुके हैं। उनके साथ केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी इस समारोह में भाग लेने पहुंचे हैं। रांची पहुंचने के बाद उपराष्ट्रपति सबसे पहले खूंटी जिले के ऐतिहासिक गांव उलिहातू गए, जो भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली है। यहां उन्होंने बिरसा मुंडा के वंशजों से आत्मीय बातचीत की और बच्चों को चॉकलेट वितरित कर स्नेह जताया। इस दौरान राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार सहित अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। उपराष्ट्रपति ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजभवन में विश्राम के बाद समारोह में होंगे शामिलः उलिहातू दौरे के बाद उपराष्ट्रपति रांची लौटकर राजभवन पहुंचेंगे, जहां वे लंच करेंगे। इसके बाद वे आईआईएम रांची के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। कार्यक्रम के समापन के बाद वे शाम को दिल्ली वापस लौट जाएंगे।

दो सत्रों में दीक्षांत समारोहःआईआईएम रांची का 15वां दीक्षांत समारोह दो सत्रों में आयोजित किया जाएगा। पहला सत्र दोपहर तीन बजे से संस्थान परिसर में शुरू होगा। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

मेधावी विद्यार्थियों को मिलेंगे मेडल और सम्मानः दीक्षांत समारोह के दौरान उपराष्ट्रपति विभिन्न कार्यक्रमों के सात मेधावी विद्यार्थियों को मेडल और उपाधि प्रदान करेंगे। इनमें सत्र 2024-26 के एमबीए, एमबीए-बीए, एमबीए-एचआरएम, एमबीए-एग्जीक्यूटिव (समर) और एमबीए-एग्जीक्यूटिव (विंटर) के टॉपर्स शामिल हैं। इसके अलावा, दो छात्रों को स्टूडेंट सिटीजनशिप अवॉर्ड और प्रो आशीष हाजेला अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जाएगा।

वर्चुअल रियलिटी केस रिपॉजिटरी का होगा शुभारंभः इस खास अवसर पर उपराष्ट्रपति संस्थान द्वारा विकसित देश के पहले बी-स्कूल वर्चुअल रियलिटी केस रिपॉजिटरी का भी शुभारंभ करेंगे। यह पहल प्रबंधन शिक्षा में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

558 विद्यार्थियों को दी जाएगी डिग्रीः इस वर्ष आईआईएम रांची के दीक्षांत समारोह में कुल 558 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। यह समारोह छात्रों के लिए उनके शैक्षणिक जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जहां उन्हें उनके परिश्रम और उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जाएगा।

# आईपीएल 2026 : इंतजार खत्म आज शुरू होगा इंडिया का त्योहार

### चिन्नास्वामी स्टेडियम में बंगलुरू-हैदराबाद की टीमें होंगी आमने-सामने

**नई दिल्ली:** क्रिकेट की दुनिया के सबसे चकाचौंध भरे टूर्नामेंट इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें संस्करण का आगाज होने में अब बस कुछ ही घंटे शेष हैं। साल 2025 में अपना पहला ऐतिहासिक खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरू इस बार डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर मैदान में उतरेगी। शनिवार, 28 मार्च 2026 को बंगलुरू के एम। चिन्नास्वामी स्टेडियम में शाम साढ़े सात बजे से मुकाबला शुरू होगा, जबकि शाम सात बजे टॉस होगा। आरसीबी का सामना विस्फोटक सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। 2008 से शुरू हुए इस सफर में आरसीबी ने कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन 2025 का साल इस फ्रेंचाइजी के लिए स्वर्णिम अक्षरों में लिखा गया। दिग्गज विराट कोहली ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ट्रॉफी उठाकर 17 साल का सूखा खत्म किया था।

**दोनों टीमों का फुल स्क्वाड**

**रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु (आरसीबी) :** विराट कोहली, रजत पाटीदार, देवदत्त पडिक्कल, फिल साल्ट, जितेश शर्मा, जॉर्डन कॉक्स, क्रुणाल पांड्या, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, जैकब बेथेल, वेंकटेश अय्यर, सात्विक देशवाल, मंगेश यादव, विक्की ओस्तवाल, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, जोश हेजलवुड, रसिक डार, सुयश शर्मा, भुवनेश्वर, नुवान तुषारा, अभिनंदन सिंह, जैकब डफी, यश दयाल

**सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) :** पैट कमिंस, ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन, नीतीश कुमार रेड्डी, लियाम लिविंगस्टोन, हर्षल पटेल, कामिंदु मेंडिस, ब्रायडन कार्स, हर्ष दुबे, अनिकेत वर्मा, स्मरण रविचंद्रन, सलिल अरोड़ा, जयदेव उनादकट, शिवम मावी, जीशान अंसारी, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन और डेविड पेन

### आईपीएल से ठीक पहले सीएसके के फैंस को बड़ा झटका

### शुरूआती चार मैचों से बाहर रह सकते हैं धोनी

**चेन्नईः** आज से आईपीएल 2026 की शुरूआत होने जा रही है। इससे ठीक पहले चेन्नई सुपर किंग्स के फैंस को बड़ा झटका लगा है। उरङ के दिग्गज खिलाड़ी टर धोनी करीब दो हफ्ते तक टीम के साथ नहीं जुड़ पाएंगे। बताया जा रहा है कि धोनी पिंडली में खिंचाव के कारण शुरूआती मुकाबलों से बाहर रहेंगे। 28 मार्च को फ्रेंचाइजी ने इसकी पुष्टि कर दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक धोनी इस सीजन के पहले चार मुकाबलों में बाहर रह सकते हैं। धोनी की गैरमौजूदगी में टीम के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संजू सैमसन या फिर उर्विल पटेल संभाल सकते हैं। बता दें कि उरङ अपना पहला मुकाबला 30 मार्च को फ्फके साथ खेलेगी, दूसरा मुकाबला 3 अप्रैल को पंजाब किंग्स के साथ, तीसरा मैच 5 अप्रैल कोआरसीबी के साथ और चौथा मुकाबला 11 अप्रैल को दिल्ली के खिलाफ खेलेगी। इन चारों ही मुकाबलों में धोनी के बाहर रहने की संभावना है। गौरतलब है कि धोनी ने साल 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, हालांकि वह लगातार आईपीएल खेल रहे हैं। 44 साल की उम्र में भी धोनी लीग के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक बने हुए हैं।

### इंजन फेल होने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान की आपात लैंडिंग, बाल-बाल बचे 161 यात्री

**नई दिल्ली:** विशाखापत्तनम से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट में एक इंजन खराब होने के कारण दिल्ली में पूर्ण आपात स्थिति घोषित कर उसकी लैंडिंग कराई गई। सूत्रों के अनुसार, यह बोइंग बी737-800 विमान (पंजीकरण संख्या टीसी-सीओएन) था। इसमें 161 यात्री सवार थे। विमान की सुबह 10।54 बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग हुई। इस दौरान फायर फाइटिंग की टीम, मेडिकल टीम और सुरक्षाकर्मियों की टीम पूरी तरह तैयार थी। यात्रियों को सुरक्षित उतारकर विमान की जांच की जा रही है।

इंडिगो के एक प्रवक्ता ने बताया कि 28 मार्च को उड़ान संख्या 6ई 579 विशाखापत्तनम से दिल्ली आ रही थी। दिल्ली में उतरने से कुछ समय पहले तकनीकी खामी का पता चला। प्रवक्ता ने बताया कि सावधानी बरतते हुए पायलट ने प्राथमिकता के आधार पर लैंडिंग की अनुमति मांगी। उन्होंने बताया कि सभी संबंधित एजेंसियों को घटना की जानकारी दे दी गयी है और विमान की जरूरी जांच की जा रही है।

### उत्तरी छोटानागपुर में संथाली व कुड़ुख के साथ नागपुरी, खोरठा और कुरमाली को मान्यता

**रांचीः** उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र के हजारीबाग, कोडरमा, चतरा और बोकारो जिलों में संथाली और कुड़ुख के साथ नागपुरी, खोरठा और कुरमाली को मान्यता दी गई है। इसी क्रम में धनबाद, गिरिडीह और देवघर में भी संथाली के साथ खोरठा और कुरमाली प्रमुख क्षेत्रीय भाषाओं के रूप में शामिल हैं। रामगढ़ जिले में संथाली और कुड़ुख के साथ नागपुरी, कुरमाली और खोरठा को सूची में जगह मिली है। खूंटी जिले में कुड़ुख, खड़िया और मुंडारी को जनजातीय भाषा तथा नागपुरी, पंचपरगनिया और कुरमाली को क्षेत्रीय भाषा के रूप में शामिल किया गया है।

बच्चों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा देने में की हुई पहलः विभाग का कहना है कि इस पहल से स्थानीय युवाओं को शिक्षक भर्ती में अवसर मिलेगा और बच्चों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा देने में सुविधा होगी। शिक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा से बच्चों की समझ और सीखने की क्षमता बेहतर होती है। यह निर्णय नई शिक्षा नीति के अनुरूप भी माना जा रहा है, जिसमें प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में पढ़ाई पर जोर दिया गया है।

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

संदेश

प्रतिवर्ष मार्च माह के अंतिम शनिवार को 'अर्थ ऑवर' मनाया जाता है। यह वाइल्डलाइफ फंड फॉर नेचर (WWF) की एक प्रभावी वैश्विक पहल है, जिसका शुभारंभ वर्ष 2007 में किया गया था। इसका उद्देश्य प्रकृति संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा मानव जीवन के उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक प्रयासों को वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहित करना है।

WWF-India प्राकृतिक पर्यावरण के संरक्षण हेतु निरंतर कार्यरत है। 'अर्थ ऑवर' के अवसर पर प्रत्येक वर्ष लोग स्वेच्छा से एक घंटे के लिए गैर-आवश्यक रोशनी बंद कर इस अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हैं। यह एक प्रतीकात्मक, किंतु अत्यंत प्रभावशाली पहल है, जो हमें ऊर्जा संरक्षण तथा पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का बोध कराती है। इस वर्ष 'अर्थ ऑवर' 28 मार्च, 2026 (शनिवार) को रात्रि 08:30 बजे से 09:30 बजे तक मनाया जा रहा है।

अतः सभी राज्यवासियों से आह्वान है कि वे इस निर्धारित अवधि में अपने-अपने घरों में अनावश्यक प्रकाश बंद रखकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दें। साथ ही, सभी कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों में भी अनावश्यक प्रकाश बंद करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएँ तथा प्रकृति की रक्षा और सतत विकास के संकल्प को सुदृढ़ किया जाए।

PR-376196 (IPRD)25-26

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड


### ईरान के बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट पर तीसरी बार हुआ हमला

# आईएईए की चेतावनी- बहुत बुरा होगा अंजाम

**तेहरान :** ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन ने बताया कि बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट पर शुक्रवार देर रात एक बार फिर से प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ। 28 फरवरी से ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच शुरू हुए संघर्ष के बीच प्लांट पर ये तीसरा ऐसा हमला है। इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) ने चेतवानी दी है कि अभी हमलों में नुकसान नहीं हुआ, लेकिन अगर बार-बार न्यूक्लियर ठिकाने पर हमले होते रहे, तो इसका अंजाम बहुत बुरा हो सकता है। हालांकि, ताजा हमले में किसी के हताहत होने, सामान के नुकसान या तकनीकी रुकावट की कोई खबर नहीं है। वहीं ईरानी संगठन ने इसके लिए अमेरिका और इजरायल को जिम्मेदार ठहराया गया है।

इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) ने कहा कि ईरान ने उसे हमले के बारे में बताया था। आईएईए के डायरेक्टर जनरल राफेल ग्रॉसी ने फिर से गहरी चिंता जताई और न्यूक्लियर एक्सीडेंट के खतरे से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा सैन्य नियंत्रण की अपील की।

आईएईए हालात पर करीब से नजर रख रहा है, ईरानी अधिकारियों के साथ सहयोग करके सेफ्टी उपायों को वेरिफाई कर रहा है और यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी न्यूक्लियर मटीरियल सुरक्षित रहें। ये नए हमले सैन्य तनाव से प्रभावित इलाकों में न्यूक्लियर और इंडस्ट्रियल फैसिलिटी के लिए बढ़ते खतरों को दिखाते हैं। हालांकि खोंडाब हेवी वॉटर प्लांट और खुजेस्तान स्टील फैक्ट्री दोनों सुरक्षित हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि अगर रेडियोएक्टिव मटीरियल वाली फैसिलिटी को बार-बार टारगेट किया गया तो इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं।

### ईरान जंग में अब हूती विद्रोही भी शामिल

# यूएई में मिसाइल अटैक, 5 भारतीय घायल

**तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन :** यमन की राजधानी सना में शनिवार को ईरान और लेबनान के समर्थन में आयोजित एक रैली के दौरान हूती समर्थकों ने हथियार लहराए।

ईरान-इजराइल जंग के 28 दिन बाद अब हूती विद्रोही भी इसमें शामिल हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यमन में मौजूद ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने करीब 2000 किलोमीटर दूर इजराइल के दक्षिणी शहर बेशेर्बा और आसपास के इलाकों को निशाना बनाते हुए बैलिस्टिक मिसाइल दागी।

इजराइली सेना के मुताबिक, मिसाइल लॉन्च का पता चलते ही एयर डिफेंस सिस्टम को एक्टिव किया गया और खतरे को हवा में ही नष्ट कर दिया गया। इस हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। मौजूदा जंग के दौरान यमन से इजराइल पर यह पहला हमला माना जा रहा है।

हूती ने इससे पहले गाजा जंग शुरू होने के बाद नवंबर 2023 में इजराइल और समुद्री जहाजों पर हमले शुरू किए थे। इसके जवाब में इजराइल ने भी उन पर जवाबी हमले किए थे। हालांकि अक्टूबर 2025 में हमास और इजराइल के बीच सीजफायर होने के बाद से हूती विद्रोहियों ने इजराइल पर हमले रोक दिए थे।

वहीं, यूएई में इंटरसेप्ट की गई बैलिस्टिक मिसाइलों के मलबे गिरने से पांच भारतीय नागरिक घायल हो गए हैं। इनमें 2 की हालत गंभीर बताई गई है।

## तबीयत खराब होने पर अस्पताल में कराया भर्ती डॉक्टर नहीं, स्टाफ ने किया इलाज, बच्ची ने तोड़ा दम

**पांकी:** क्षेत्र से एक दुखद खबर सामने आई है, जहां इलाज में लापरवाही के आरोपों के बीच एक 6 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। इस घटना ने न सिर्फ अस्पताल की कार्यप्रणाली बल्कि आवासीय स्कूलों की व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दरअसल, पांकी में एक 6 साल की बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृत बच्ची का नाम अशरती कुमारी था, जो रतनपुर पंचायत के इरगू टोला तेतरखाड़ गांव की रहने वाली थी। वह पांकी-मेदिनीनगर रोड पर स्थित बसडीहा के एक आवासीय छात्रावास में रहकर पढ़ाई करती थी। बताया जा रहा है कि बच्ची की तबीयत अचानक खराब हो गई, जिसके बाद उसे पांकी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बच्ची के शिक्षक का कहना है कि अस्पताल में उस समय कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था और केवल स्टाफ ही इलाज कर रहा था। वहीं अस्पताल के डॉक्टर डॉ। वीरेंद्र का आरोप है कि शिक्षक बच्ची को अस्पताल में छोड़कर चले गए थे। दोनों पक्षों के अलग-अलग बयानों से मामला संदिग्ध लग रहा है, जिसकी जांच की मांग की जा रही है। घटना के बाद बच्ची के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

इस घटना से स्थानीय लोगों में भी काफी गुस्सा है और वे निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। साथ ही, पांकी क्षेत्र के कई आवासीय स्कूलों की व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि इन स्कूलों में बच्चों को न तो सही शिक्षा मिल रही है और न ही जरूरी सुविधाएं, जिससे उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य खतरे में है।

## सरहुल मिलन समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम कल

**मुरी:** प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रेलवे आदिवासी परिवार, मुरी शाखा, रांची मंडल, दक्षिण पूर्व रेलवे के तत्वावधान में सरहुल मिलन सह सांस्कृतिक समारोह का आयोजन रेलवे डाक्टर झरिया कच्छप के मार्गदर्शन में संपन्न होगा।

सरना समिति सिल्ली, मोदीडीह, मुंडा टोली मुरी, झालदा, तुलीन, उर्सलाइन स्कूल से प्रिंसिपल सिस्टर्स छात्रों व रांची मंडल के विभिन्न सेक्शनों एवं स्टेशनों से रेलवे आदिवासी परिवार के सदस्य भाग लेगे। उक्त जानकारी समिति के निरंजन बाघवार द्वारा दी गई।

## झारखंड आन्दोलनकारियों की बैठक 31 को

**मुरी:** आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, रांची जिला की ओर से सभी संबंधित साथियों के साथ आगामी 31 मार्च दिन मंगलवार को एक विशेष बैठक केन्द्रीय कार्य लय डोरंडा में आयोजित की गई है। इस बैठक में निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी जैसे पेंशन प्राप्त कर रहे साथी, सम्मानित किए जा चुके साथी,केवल चिन्हितीकरण हुए साथी,प्रखंड समिति का गठन,अन्य आवश्यक विषय पर। उक्त जानकारी सुबोध कुमार लकड़ा अध्यक्ष, रांची जिला झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा।

## ड्यूटी के दौरान गिरे ट्रेन मैनेजर, गोमो रेलवे स्टेशन पर मौत

**गोमो:** नेताजी सुभाष चंद्र बोस गोमो रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी के दौरान एक ट्रेन मैनेजर की अचानक मौत से रेलवे विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। गोमो रेलवे स्टेशन पर 42 वर्षीय ट्रेन मैनेजर (गार्ड) दीपक कुमार पासवान की ड्यूटी के दौरान अचानक मौत हो गई।

घटना के बाद रेलवे कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही रेलकर्मी मौके पर पहुंचे और डॉक्टर को बुलाया गया, लेकिन जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। रेल थाना पुलिस और आरपीएफ के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर थाना लाया गया। दीपक पासवान बिहार के गया जिले के रहने वाले थे। घटना की खबर मिलते ही उनकी पत्नी प्रीति देवी अपने परिजनों के साथ सुबह गोमो पहुंचीं। थाना में शव देखते ही परिवार के लोग रोने लगे। पत्नी अपने पति के शव से लिपटकर बार-बार बेहोश हो रही थीं। इस दर्दनाक दृश्य को देखकर वहां मौजूद लोग भी भावुक हो गए। दीपक पासवान करीब 15 साल से रेलवे में काम कर रहे थे। गार्ड एसोसिएशन और लोको रनिंग स्टाफ के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक, दीपक पासवान की ड्यूटी देर रात 2:15 बजे लगी थी। उन्हें गोमो से मालगाड़ी लेकर गया जाना था। लेकिन ट्रेन पर चढ़ने से पहले ही वे प्लेटफॉर्म नंबर 4 के पास गिरे हुए मिले। ट्रेन चालक ने उनसे कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। जब वह पास पहुंचा, तो दीपक पासवान मृत पाए गए। प्राथमिक जांच में उनकी मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है। रेलवे कर्मचारियों का कहना है कि लगातार ओवरटाइम ड्यूटी की वजह से रनिंग स्टाफ में दिल की बीमारी का खतरा बढ़ रहा है। हाल ही में एक अन्य ट्रेन मैनेजर की भी ड्यूटी के दौरान मौत हो चुकी है। सहकर्मियों ने दीपक पासवान को श्रद्धांजलि दी और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

### रामनवमी पर झारखंड के कई जिलों में बवाल

# जुलूस बना हिंसा का कारण एक व्यक्ति की मौत, तनाव

संवाददाता

**रांची:** रामनवमी के पावन अवसर पर जहां झारखंड के हजारीबाग जिला में श्रद्धा और उत्साह का माहौल था, वहीं कुछ जगहों पर हुई हिंसक घटनाओं ने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। जुलूस के दौरान हुई झड़पों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

**गांव में डर और तनाव का माहौल:** शुक्रवार रात कटकमसांडी प्रखंड के गदोखर गांव में रामनवमी जुलूस के दौरान अचानक विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते यह विवाद हिंसा में बदल गया। इस दौरान गदोखर पंचायत के मुखिया के भाई राम कुमार साव (40) पर धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद गांव में डर और तनाव का माहौल है।

**इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात:** वहीं, हजारीबाग शहर के दीपूगढ़ा और आसपास के इलाकों में भी झड़प की खबरें आई हैं। एक जुलूस के दौरान एक युवक के सीने में चाकू मार दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पहले हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण बेहतर इलाज के लिए राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान भेज दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। अधिकारियों ने हालात का जायजा लिया और इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

**इलाके में शांति बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क:** पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि इस मामले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। आरोपियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

# श्रद्धा व उल्लास से मना भगवान राम का जन्मोत्सव

संपाददाता

**खलारी:** प्रखंड में भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव रामनवमी श्रद्धा, आस्था व उल्लास से मनाया गया। पहाड़ी मंदिर, श्री जानकीरमण मंदिर सहित क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया। पूरे प्रखंड को महावीरी झंडों और भगवा पताकाओं से सुसज्जित कर दिया गया। पहाड़ी मंदिर में सुबह से ही बजरंगबली के भक्तों की लंबी कतार लगी रही। दोपहर 12 बजे प्रभु श्रीराम के जन्म के क्षण पर मंदिरों में घंटे, शंख व ढोल-नगाड़ों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। मुख्य आयोजन श्री जानकीरमण मंदिर में हुआ। जहां क्षेत्र के विभिन्न अखाड़ों के लोग अपने-अपने रामनामी झंडों के साथ पहुंचे। अखाड़ों के खिलाड़ियों ने लाठी, तलवार व पारंपरिक खेलों का आकर्षक प्रदर्शन किया। देर शाम तक जय श्रीराम के उदघोष करते हुए श्रद्धालु मंदिर पहुंचते रहे। पुलिस उपाधीक्षक रामनारायण चौधरी खलारी पुलिस अनुमंडल की निगरानी कर रहे थे। वहीं अंचल अधिकारी प्रणव अंबष्ट व थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक जयदीप टोप्पो क्षेत्र में भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। श्री जानकीरमण मंदिर में झंडा लेकर पहुंचे सभी अखाड़ों व उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले खिलाड़ियों को तलवार भेंट कर सम्मानित किया गया। सीएचसी बुढ़मू की ओर से स्वास्थ्यकर्मियों की टीम भी मंदिर परिसर में तैनात रही। संचालन श्रीकांत शर्मा ने किया। इस अवसर पर मुखिया तेजी किस्पोट्टा, बुकबुका मुखिया पारस उरांव, अरविंद सिंह, राजन सिंह राजा, धीरेन्द्र प्रसाद, अमरभूषण सिंह, शशि कुमार सिंह, रामसूरत यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। आयोजन को सफल बनाने में समिति के रंजन सिंह बिट्टू, अवधेश यादव, समर सेन, प्रिंस सिंह, बजरंगी साव, रमेश, संजय विश्वकर्मा, अरुण यादव, विक्की सिंह, बबलू सिंह, संजय राय, मयंक सिंह, सत्येंद्र खरवार, अजय वर्मा, संजय कामत, संजय वर्मा, सोनू सिंह, तुलसी राणा, सुनील बड़े, गोलू, शुभम, ऋषि, सक्षम, विद्यम, हन्नू, यथार्थ सहित अन्य सदस्यों ने सहयोग किया।

पहाड़ी मंदिर में महावीरी झंडों का मिलान, अखाड़े व खिलाड़ी सम्मानित रामनवमी के अवसर पर श्री जानकीरमण मंदिर से अपने-अपने रामनामी झंडों के साथ अखाड़ों के सदस्य खलारी पहाड़ी मंदिर पहुंचे, जहां बजरंगबली के ध्वज से झंडों का पारंपरिक मिलान कराया गया। पहाड़ी मंदिर विकास कमेटी की ओर से अखाड़ों व खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों को तलवार भेंट कर सम्मानित किया। श्रद्धालुओं के लिए चना एवं शरबत की व्यवस्था की गयी थी। संचालन अरविंद सिंह ने किया। आयोजन में समिति के सुशील अग्रवाल, दिनेश पांडेय घंटू, अमरेश वर्मा, ओमप्रकाश राय, पृथ्वी सिंह, उदय यादव, बैजनाथ प्रसाद, भूपनाथ साव, धीरज सिन्हा, नंदलाल साव, प्रताप यादव, शिबू तुरी, रमेश गिरि, संजय साव आदि सदस्य उपस्थित थे।

### 16 प्रहर हरिनाम संकीर्तन शुरू

# खरसावां के बुड़ीतोपा में निकली 108 कुंवारी कन्याओं की कलश यात्रा

**खरसावां :** प्रखंड के बुड़ीतोपा गांव में तीन दिवसीय 16 प्रहर हरिनाम संकीर्तन का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। पूरे गांव में धार्मिक उत्साह और भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। दूर-दूर से श्रद्धालु इस आयोजन में शामिल होने पहुंचे।

**108 कुंवारी कन्याओं की भव्य कलश यात्रा:** हरिनाम संकीर्तन की शुरूआत 108 कुंवारी कन्याओं द्वारा निकाली गई भव्य कलश यात्रा से हुई। श्रद्धालुओं ने गांव के जलाशय से विधि-विधान के साथ कलश में जल भरकर यात्रा निकाली। इस दौरान महिलाएं और कन्याएं पारंपरिक वेशभूषा में सजी हुई थीं, जिससे दृश्य अत्यंत मनमोहक बन गया। हरे कृष्णा-हरे राम के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा।

**मंदिर परिसर में कलश स्थापना:** कलश यात्रा गांव के मंदिर परिसर पहुंची, जहां सभी कलशों को विधिपूर्वक पूजा स्थल पर स्थापित किया गया। वैदिक मंत्रोच्चारण और पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए पूजा में भाग लिया। पूरा माहौल आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया।

**भजन-कीर्तन से गूंजा पूरा गांव:** कलश स्थापना के बाद विभिन्न संकीर्तन दलों द्वारा हरिनाम संकीर्तन की शुरूआत की गई। झारखंड और पश्चिम बंगाल के अलग-अलग क्षेत्रों से आए कलाकारों ने भजन-कीर्तन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। ढोल, मंजीरा और हारमोनियम की धुन पर गूंजते भजनों ने पूरे गांव को भक्ति रस में डुबो दिया। श्रद्धालु देर रात तक संकीर्तन में लीन रहे।

**16 प्रहर संकीर्तन से आध्यात्मिक संदेश:** समिति के सदस्यों ने बताया कि यह 16 प्रहर हरिनाम संकीर्तन लगातार तीन दिनों तक चलेगा। इस दौरान श्रद्धालु भगवान के नाम का जाप कर आध्यात्मिक शांति का अनुभव करेंगे। यह आयोजन लोगों को एकजुट करने और धार्मिक परंपराओं को जीवित रखने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है।

**महायज्ञ का समापन कल:** आयोजन का समापन 29 मार्च को कुंज विसर्जन और धुलौट के साथ किया जाएगा। अंतिम दिन विशेष पूजा और महायज्ञ का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। बुड़ीतोपा गांव में आयोजित यह हरिनाम संकीर्तन न केवल धार्मिक आयोजन है, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपरा का भी प्रतीक है। इस आयोजन ने पूरे क्षेत्र को भक्ति और उत्साह से भर दिया है।

## जोन्हा श्रीराम कथा का भव्य समापन, रामराज्य स्थापना का संदेश

**रांची :** जिले के जोन्हा स्थित श्रीराम मंदिर में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा का समापन रविवार को अत्यंत भव्य और श्रद्धापूर्ण वातावरण में हुआ। नौवें दिन कथा का मुख्य प्रसंग रामराज्य स्थापना रहा, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। पूरे परिसर में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला।

रावण वध का रोमांचक वर्णन: कथा व्यास आचार्य धर्मराज शास्त्री ने लंका कांड का विस्तार से वर्णन करते हुए रावण वध का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि यह केवल एक युद्ध की कहानी नहीं, बल्कि बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। उनके सजीव और प्रभावशाली वर्णन ने श्रद्धालुओं को उस युग में पहुंचा दिया, जहां भगवान श्रीराम ने अधर्म का अंत कर धर्म की स्थापना की। पंडाल में बैठे लोग कथा सुनते-सुनते भावुक हो उठे।

अयोध्या वापसी और राज्याभिषेक का मनमोहक चित्रण: रावण वध के बाद भगवान श्रीराम की अयोध्या वापसी और उनके राज्याभिषेक का दृश्य अत्यंत मनोहारी ढंग से प्रस्तुत किया गया। व्यास जी ने इस प्रसंग को इस तरह से प्रस्तुत किया कि पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने इस दौरान जय श्रीराम के जयघोष के साथ अपने भाव प्रकट किए। कथा स्थल भक्ति और उत्साह से गूंज उठा।

**रामराज्य की महिमा और जीवन के लिए संदेश:** आचार्य धर्मराज शास्त्री ने रामराज्य की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि यह केवल एक आदर्श शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि जीवन जीने का सर्वोत्तम तरीका है। उन्होंने कहा कि रावण का वध हमारे भीतर मौजूद अहंकार, क्रोध और बुराइयों के अंत का प्रतीक है। वहीं भगवान श्रीराम का जीवन त्याग, प्रेम, विनम्रता और कर्तव्य पालन की प्रेरणा देता है।

जयघोष से गूंजा पूरा पंडाल: कथा के अंतिम दिन पूरा पंडाल जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर कथा का आनंद लेते नजर आए। हर कोई इस आध्यात्मिक आयोजन का हिस्सा बनकर खुद को धन्य महसूस कर रहा था। भक्ति और आस्था का यह माहौल पूरे आयोजन के दौरान बना रहा, जिसने सभी को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

**महाआरती और भंडारा में उमड़ी भीड़:** समापन के अवसर पर महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसके बाद भव्य भंडारा का आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे कार्यक्रम में अनुशासन और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई।

**आयोजन को सफल बनाने में कई लोगों का योगदान:** इस नौ दिवसीय श्रीराम कथा को सफल बनाने में कई लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अध्यक्ष बलराम साहू, कार्यक्रम संयोजक संतोष साहू, सीताराम साहू, मधुसूदन साहू, प्रदीप साहू, अजय मंडल, अमर मंडल, मिथलेश मंडल, उदय साहू, परमेश्वर साहू, दीनदयाल साहू, विनोद मिश्रा, निवारण साहू, विकास साहू, कन्हाई साहू, संदीप साहू, श्रीराम साहू और वसंत सुंडी सहित अन्य श्रद्धालुओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

# पारंपरिक उल्लास, आस्था और भव्यता के साथ निकली रामनवमी शोभायात्रा

### 108 लाइसेंसी झंडों, सैकड़ों महावीर मंडलियों, आकर्षक झांकियों और महिला सहभागिता ने बढ़ाई शोभा

संवाददाता

**खूंटी:** रामभक्ति, परंपरा, अनुशासन, शौर्य और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम शुक्रवार को खूंटी नगर में देखने को मिला, जब महारामनवमी की परंपरागत भव्य शोभायात्रा पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई। इस ऐतिहासिक और धार्मिक आयोजन में छोटे-बड़े सैकड़ों महावीर मंडलियों, मनमोहक झांकियों, 108 लाइसेंसी झंडों, बैंड-ताशा पार्टियों, डीजे की गूंज, अस्त्र-शस्त्र प्रदर्शन, तथा महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी ने पूरे वातावरण को राममय बना दिया। शोभायात्रा को देखने के लिए खूंटी नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु उमड़ पड़े। पूरा नगर जय श्रीराम , हर-हर महादेव , जय बजरंगबली के नारों से गुंजायमान रहा। नगर की सड़कें भगवा ध्वजों, धार्मिक प्रतीकों और उत्साह से सराबोर दिखीं। श्रद्धालुओं के जोश, अखाड़ों की अनुशासित प्रस्तुति और भक्तिमय माहौल ने यह सिद्ध कर दिया कि खूंटी की रामनवमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता का जीवंत उत्सव है। शोभायात्रा आरंभ होने से पूर्व केंद्रीय रामनवमी महासमिति, खूंटी की ओर से कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का अंगवस्त्र एवं तलवार भेंट कर पारंपरिक स्वागत और सम्मान किया गया। यह सम्मान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि रामनवमी के इस पर्व से जुड़ी शौर्य परंपरा, धार्मिक गरिमा और सामाजिक आदर-सम्मान का प्रतीक रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी,खूंटी उपायुक्त आर। रोनिटा, पुलिस अधीक्षक मनीष तोपों, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक, प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी, सहित कई प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, धार्मिक अगुआ एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने इस आयोजन को खूंटी की सांस्कृतिक पहचान, धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक बताया तथा आयोजकों और नागरिकों को इस सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। खूंटी की रामनवमी शोभायात्रा की सबसे बड़ी पहचान रही 108 लाइसेंसी झंडों की पारंपरिक उपस्थिति। जैसे ही झंडों के साथ शोभायात्रा नगर में आगे बढ़ी, श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल चरम पर पहुंच गया। भगवा ध्वजों की लंबी कतारें, अखाड़ों की अनुशासित चाल, और रामधुन के

बीच नगर का हर मार्ग आस्था से भर उठा। यह शोभायात्रा अपने सुनिश्चित पारंपरिक मार्ग से निकाली गई, जिसे देखने के लिए मार्ग के दोनों ओर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जमा रही। जगह-जगह लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत किया, पुष्पवर्षा की, जलपान की व्यवस्था की और रामभक्तों का उत्साहवर्धन किया। पूरे आयोजन की अगुवाई केंद्रीय रामनवमी महासमिति, खूंटी द्वारा की गई। महासमिति के नेतृत्व में शोभायात्रा को संगठित, अनुशासित और भव्य रूप दिया गया। आयोजन समिति की ओर से सुरक्षा, मार्ग-निर्देशन, मंडलियों के क्रम, झांकियों की व्यवस्था, अतिथि सत्कार और भीड़ नियंत्रण जैसी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित ढंग से की गईं। समिति के सदस्यों ने यह सुनिश्चित किया कि शोभायात्रा धार्मिक गरिमा, अनुशासन और पारंपरिक मयार्दा के साथ संपन्न हो। यही कारण रहा कि भारी भीड़ और भव्यता के बावजूद कार्यक्रम पूरी तरह सफल और व्यवस्थित रहा। इस वर्ष की शोभायात्रा में शामिल एक से बढ़कर एक धार्मिक और सांस्कृतिक झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। झांकियों में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान जी, रामदरबार, रामायण प्रसंगों, भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभक्ति, सामाजिक संदेश और सनातन परंपरा की सुंदर झलक देखने को मिली। कई झांकियों को सजावट, प्रकाश व्यवस्था, परिधान, संगीत और प्रस्तुति के माध्यम से अत्यंत आकर्षक बनाया गया था। बच्चे, महिलाएं, युवा और बुजुर्ग सभी इन झांकियों को देखने और अपने मोबाइल में कैद करने को उत्सुक दिखे।

रामनवमी की शोभायात्रा का सबसे रोमांचक और परंपरागत हिस्सा रहा विभिन्न महावीर मंडलियों द्वारा किया गया अस्त्र-शस्त्र प्रदर्शन। नगर के अलग-अलग अखाड़ों और मंडलियों के युवाओं ने पूरे मार्ग पर तलवार, लाठी, भाला, गदा और अन्य पारंपरिक शस्त्रों के साथ अपने कौशल का अद्भुत प्रदर्शन किया। उनकी प्रस्तुति में अनुशासन अभ्यास, परंपरा और वीरता की झलक साफ दिखाई दी। लोगों ने तालियों और जयकारों के साथ इन मंडलियों का स्वागत किया। महावीर मंडलियों की यह प्रस्तुति केवल प्रदर्शन नहीं, बल्कि सनातन परंपरा में शौर्य, आत्मरक्षा और सांस्कृतिक गौरव की जीवित परंपरा का प्रतीक रही। इस बार की रामनवमी शोभायात्रा की भव्यता में चार चांद लगाने का काम किया देश के विभिन्न हिस्सों से बुलाए गए बैंड और ताशा पार्टियों ने। उनकी लयबद्ध धुन, जोशीली ताल और पारंपरिक वाद्य प्रस्तुति ने पूरे नगर को उत्सवमय बना दिया। बैंड की धुनों और ताशे की गूंज के साथ श्रद्धालु, युवा और मंडलियों के सदस्य थिरकते और झूमते नजर आए। इनकी प्रस्तुति ने शोभायात्रा को केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी अत्यंत जीवंत और आकर्षक बना दिया।

## राजू साहू होटल से 204 बोतल अवैध शराब बरामद

**रांचीः** एयरपोर्ट थाना पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए राजू साहू के होटल से 204 बोतल अवैध शराब बरामद किया है। गौरतलब हैं कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एयरपोर्ट थाना क्षेत्र स्थित राजू होटल में बड़े पैमाने पर अवैध शराब का कारोबार किया जा रहा है। इस सूचना के बाद पुलिस में यह कार्रवाई की है और होटल मालिक राजू साहू को गिरफ्तार किया।

## कुएं में गिरे हिरण का सफल रेस्क्यू सुरक्षित जंगल में छोड़ा गया

**चतराः** टंडवा वन प्रक्षेत्र अंतर्गत लरंगा गांव में जंगल से भटक कर एक हिरण कुएं में गिर गया। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तत्परता दिखाते हुए रेस्क्यू अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद टीम ने हिरण को सुरक्षित तरीके से कुएं से बाहर निकाला गया। रेस्क्यू के बाद हिरण की स्थिति सामान्य पाई गई। जिसके बाद उसे पुनः सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। इस कार्य में वनरक्षी ललटु कुमार, निर्मल मुंडा, महेश कुमार के साथ पशु रक्षक सुरेश महतो, राजू भुइयां, केसीपाल राम और सफीक मियां शामिल थे। रेंजर मुक्ति प्रकाश पन्ना ने टीम के इस प्रयास की सराहना की है।

## अंजुमन इस्लामिया चुनावः नामांकन प्रक्रिया शुरू, 12 अप्रैल को होगा मतदान

**रांचीः** अंजुमन इस्लामिया के आगामी चुनाव को लेकर आज से नामांकन प्रक्रिया की शुरूआत हो गई है। मेन रोड स्थित अंजुमन इस्लामिया कार्यालय में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक नामांकन पत्रों का वितरण एवं जमा किया जा रहा है। पहले ही दिन नामांकन पत्र खरीदने वालों की भारी भीड़ कार्यालय में देखी गई। कई उम्मीदवारों ने विभिन्न पदों के लिए अपना नामांकन पत्र भी दाखिल किया।

चुनाव संयोजक मुफ्ती अनवर कासमी ने जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव कमेटी की ओर से नियुक्त कर्मी नामांकन पत्रों के वितरण और जमा करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नामांकन प्रक्रिया 30 मार्च तक जारी रहेगी।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 31 मार्च को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी की जाएगी, जबकि 1 अप्रैल को नाम वापसी की अंतिम तिथि होगी। इसी दिन शाम 6 बजे प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी। 2 अप्रैल को उम्मीदवारों के बीच चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि मतदान 12 अप्रैल को कडरू स्थित हज हाउस में सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक संपन्न होगा। चुनाव को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं और संगठन के सदस्यों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

## विधायक जनार्दन पासवान ने शहीद नीलांबर- पीतांबर को दी श्रद्धांजलि

**चतराः** देश से अंग्रेजों की सत्ता को उखाड़ फेंकने में अहम भूमिका निभाने वाले भोक्ता समाज के महानायक शहीद नीलांबर पीतांबर का आज 168वां शहादत दिवस है। इस मौके पर चतरा के लोजपा विधायक जनार्दन पासवान आज चतरा प्रखंड कार्यालय के समीप सजना गांव पहुंचे। विधायक ने शहीद नीलांबर पीतांबर के स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही विधायक ने देश की आजादी में उनके योगदान पर दो शब्द कहे। विधायक श्री पासवान ने शहीद की याद में भोक्ता समाज के लिए सामुदायिक भवन निर्माण के लिए विधायक मद से 20 लाख की राशि देने की घोषणा की। पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक ने कहा कि आज शहीद नीलांबर -पीतांबर का शहादत दिवस है। इनको असाधारण बताते हुए कहा कि देश की आजादी में अमूल्य योगदान दिया है। आज शहर में रहनेवाले लोग देशप्रेम को भूल रहे हैं,परंतु जंगल में रहनेवाले परिवारों में देश प्रेम कम नहीं हुआ है। मौके पर भाजपा के जिलाध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता, भोक्ता समाज के जिला अध्यक्ष कामेश्वर सिंह भोक्ता समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे।

## रामजन्म उत्सव पर पंचमुखी हनुमान मंदिर में भव्य पूजा आरती

**हुसैनाबादः** पलामू शहर के मुख्य बाजार कुरमी टोला स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में भव्य तरीके से रामजन्म उत्सव ,श्री राम लला व भक्त हनुमान की विशेष पूजा अर्चना की गई जिसमें सैकड़ो भक्त गणों ने राम नाम की धुन बजरंगी की पारंपरिक गीतों को गाया ढोल नगाड़ों बाजा के साथ महा आरती व रामजन्म उत्सव पर महिलाओं ने रामलला व अयोध्या में बाजे बाजे रे बधाई पर शोहर को गया मौके पर भक्तों ने हलवा व मनभोग का प्रसाद वितरण किया गया।आपको बतादे की जपला शहर में यह मंदिर एक घनी आबादी वाले क्षेत्र में भक्त भगवान हनुमान का मात्र एक ही पाँच मुखों वाला मंदिर है जो भव्य दिव्य हैं यंहा रोजाना सैकड़ो महिलाओं की टोली व भजन मंडली के द्वारा गीत व संगीत होते रहता हैं।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका इन लोगो का रहता आ रहा है। प्रमुख सुबोध साहू, सचिव अजित अग्रवाल , अयोधया चौधरी,विपिन पटेल बिहारी चौधरी सुरेंद्र चौधरी, बुलबुल चौधरी बिगन चौधरी ,पवन चौधरी व अन्य भक्त उपस्थित थे।

# पंडरा में बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना लाखों की नगदी व जेवर लेकर हुए फरार

**मेट्रो रेज**

**रांचीः** राजधानी रांची के पंडरा ओपी क्षेत्र अंतर्गत वेस्ट सरोवर नगर, देवी मंडप रोड में चोरी की एक बड़ी घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, विजय कुमार साहू के घर को चोरों ने निशाना बनाते हुए घर का मुख्य दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और अलमीरा तोड़कर लाखों के जेवरात व नकदी लेकर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि चोरी में करीब 16 लाख रुपये के जेवरात और नकदी की चोरी हुई है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोग सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं।

घर के ताले को तोड़कर घुसे चोरः पीड़ित परिवार के अनुसार, चोरों ने पहले घर के मुख्य दरवाजे का लॉक तोड़ा, इसके बाद अंदर घुसकर कमरे में रखी अलमीरा को तोड़ डाला। अलमीरा में रखे सोने-चांदी के गहने, कीमती जेवरात और नकदी चोर अपने साथ ले गए। घटना का पता तब चला जब घर के सदस्य वापस पहुंचे और दरवाजा टूटा हुआ देखा। अंदर जाने पर घर का सामान बिखरा पड़ा था और अलमीरा टूटी हुई थी।

**लाखों की चोरी से परिवार सदमे में:** पीड़ित विजय कुमार साहू ने बताया कि घर में शादी और अन्य पारिवारिक जरूरतों के लिए रखे गए जेवरात और कुछ नकदी मौजूद थी। चोरों ने सबकुछ साफ कर दिया। परिवार इस घटना से काफी सदमे में है।

**पुलिस को दी गई सूचना, जांच शुरूः** घटना की जानकारी मिलते ही पंडरा ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घर का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। साथ ही इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की बात कही गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही चोरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

# आईआरसीटीसी ईस्ट, रांची एरिया के संयुक्त महाप्रबंधक बने देवराज

### खानपान की शिकायत के बाद हुई प्रतिनियुक्ति, देवराज बनर्जी 3 साल तक देखेंगे काम

**विनय मिश्रा**

**चक्रधरपुर :** चक्रधरपुर रेल मंडल के पूर्व वाणिज्य प्रबंधक देवराज बनर्जी डेपुटेशन पर आईआरसीटीसी ईस्ट रांची एरिया के संयुक्त महाप्रबंधक बनाए गए हैं। उन्हें टाटानगर, बोकारो व रांची समेत अन्य स्टेशनों और ट्रेनों की खानपान सेवा की जिम्मेदारी मिली है।

अभी श्री बनर्जी दक्षिण पूर्व रेलवे जोन मुख्यालय में डिप्टी सीसीएस पद पर कार्यरत थे। बताया जाता है कि, खानपान व्यवस्था में सुधार के लिए देवराज बनर्जी को तीन वर्षों के लिए आईआरसीटीसी में भेजा गया है। चर्चा है कि वंदे भारत समेत अन्य ट्रेनों की पेंट्रीकार से लगातार खानपान को लेकर मिल रही शिकायत

के कारण देवराज बनर्जी की प्रतिनियुक्ति आईआरसीटीसी में हुई है।

इधर, रेलवे जोन मुख्यालय गार्डेनरीच समेत चक्रधरपुर, रांची व खड़गपुर मंडल के आधा दर्जन से ज्यादा वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला हुआ है। जानकार बताते हैं कि रेलवे जोन में पदाधिकारियों के कार्यों में फेरबदल प्रशासनिक और तकनीकी क्षेत्र में तेजी लाने के तहत हुआ।

## शोभायात्रा में महिलाओं ने किया अपने हथियार कला का प्रदर्शन

**रांचीः** श्री महावीर मंडल केन्द्रीय समिति चुटिया के तत्वावधान में रामनवमी शोभायात्रा चुटिया क्षेत्र के 34 आखाडो सहित पारम्परिक गाजे बाजे ,हथियार ,झांकी, भजन मंडली,महाबीर पताको के साथ प्राचीन श्रीराम मंदिर से निकलकर लोअर चुटिया गयी । वहां सभी आखाडो को साथ लेकर , चुटिया मेन रोड ,बहु बाजार, कर्बला चौक ,चर्च रोड ,मेन रोड होते हुए तपोवन मंदिर गयी । शोभायात्रा में खिलाड़ी अपने हथियार कला का प्रदर्शन करते हुए जय श्रीराम जय हनुमान बजरंगबली के जयकारे लगाया। ,जुलूस मे काफी संख्या मे काफी संख्या मे महिलाए भी शामिल हुई । भक्ति से लबरेज महिलाएं जबर्दस्त उत्साह के साथ तलवार भांज रही थी। साथ- साथ जय श्रीराम जय बंजरंगबली के जयकारो से पूरे क्षेत्र को राममय बना दिया ।इस अवसर पर कैलाश केशरी ,विजय साहु ,रवि सिंह, कृष्णा सहाय, विजय तिर्की ,संदीप केशरी, हरि शंकर रमेश कुमार, विजय राम,धंजु नायक, किशोर नायक, अमित केशरी ,विजय राम,छत्रधारी महतो,अम्बर ठाकुर, संजीव महतो,उमंग साहु,दिपेश पाठक, विक्की शर्मा ,मक्कखन पाठक,रिशु ठाकुर,ज्ञानी महतो ,दिलीप साहु,राजकुमार महतो,उदय कुमार ,सुमित मिश्रा ,रवि नायक,गुजा तिर्की, पार्षद अंजु देवी आशा देवी,ललिता ओझा,ललिता महतो, पूजा सिंह, ममता देवी,मुन्नी मुण्डा,पुष्पा महली ,अनिता महली वीणा सिंह व अन्य शामिल हुई।

## रामनवमी पर रांची में दिखी गंगा-जमुनी तहजीब, भाईचारे और एकता की बनी मिसाल

**रांची(गुलाम शाहिद):** मोहब्बत और भाईचारे के लिए मशहूर रांची शहर ने एक बार फिर अपनी गंगा-जमुनी तहजीब का परिचय देते हुए पूरे देश के सामने एक सकारात्मक उदाहरण पेश किया। रामनवमी के पावन अवसर पर यहां ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने समाज में एकता और सौहार्द का मजबूत संदेश दिया।

त्योहार के दौरान आयोजित जुलूस में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोग पारंपरिक अंदाज में तलवार भांजते नजर आए। इस दौरान वहां मौजूद हिन्दू भाइयों ने उत्साहपूर्वक जय श्री राम के नारे लगाए। यह दृश्य न केवल अनोखा था, बल्कि आपसी विश्वास और सम्मान की भावना को भी दर्शाता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रांची की पहचान ही विभिन्न समुदायों के बीच आपसी प्रेम और भाईचारे की रही है। यहां सभी धर्मों के लोग एक-दूसरे के त्योहारों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं और खुशियां साझा करते हैं। यही कारण है कि ऐसे मौके समाज को जोड़ने का काम करते हैं, न कि बांटने का। स्थानीय लोगों का कहना है कि रांची की पहचान ही आपसी सौहार्द और मिल-जुलकर त्योहार मनाने की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्श–सत्य, मयार्दा और समरसता–आज भी समाज को एकजुट रखने की प्रेरणा देते हैं। रामनवमी के इस अवसर पर रांची ने यह संदेश दिया कि विविधता में एकता ही देश की सबसे बड़ी ताकत है। लोगों ने विश्वास जताया कि श्रीराम के आर्दशो पर चलकर एक सशक्त, समरस और भाईचारे से परिपूर्ण समाज का निर्माण संभव है।

### रामनवमी पर जयश्री राम के नारों से गूंजा शहर

# अखाड़ों के जुलूस और हैरतअंगेज करतबों ने बांधा समां

**मट्रो रेज**

**चक्रधरपुरः** रामनवमी के अवसर पर शुक्रवार को शहर पूरी तरह भक्ति में डूबा नजर आया। सुबह से ही शहर के विभिन्न हनुमान मंदिरों और अखाड़ों में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई तथा ध्वज स्थापना की गई। शाम होते ही अखाड़ों के जुलूस निकलने शुरू हुए। करीब साढ़े छह बजे के बाद पवन चौक पर अखाड़ों का पहुंचना शुरू हुआ, जहां सबसे पहले देवगांव और उसके बाद गुदड़ी बाजार अखाड़ा समिति का झंडा पहुंचा। इसके बाद अन्य अखाड़ों के जुलूस भी लगातार पहुंचते रहे। पवन चौक पर पारंपरिक हथियारों से लैस बजरंगियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज करतबों ने लोगों को रोमांचित कर दिया। शहर की गलियों और चौक-चौराहों से निकलकर सभी जुलूस पवन चौक पर एकत्रित हो रहे थे। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी रामभक्ति के रंग में रंगे नजर आए। जुलूस के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल और दंडाधिकारी पूरे मार्ग में तैनात रहे। पवन चौक पर अनुमंडल पदाधिकारी श्रुति राजलक्ष्मी, डीएसपी विनोद कुमार सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहकर निगरानी करते रहे। वहीं उपायुक्त चंदन कुमार और एसपी अमित रेनू ने भी शहर का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर श्रद्धालुओं के बीच चना-गुड़ और शरबत का वितरण किया गया। भारत भवन चौक, पवन चौक, इतवारी बाजार, टोकलो रोड समेत कई स्थानों पर सेवा कार्य चलाए गए। इस दौरान 33 लाइसेंसी और 2 गैर-लाइसेंसी अखाड़ा समितियों के सैकड़ों सदस्य जुलूस में शामिल हुए। कई अखाड़ों द्वारा आकर्षक झांकियां भी प्रस्तुत की गईं, जिनमें भगवान राम, सीता, हनुमान के साथ विभिन्न रूपों की जीवंत झलकियां देखने को मिलीं। छोटे-छोटे बच्चे विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। पवन चौक पर रामनवमी केंद्रीय अखाड़ा समिति द्वारा 35 लाइसेंसधारियों को पगड़ी और तलवार भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव, उपाध्यक्ष विजय कुमार साव और भाजपा नेता अशोक षाड़ंगी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे शहर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जा रही थी। रेलवे ओवरब्रिज सहित कई संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई थी। कुल मिलाकर, चक्रधरपुर में रामनवमी का पर्व श्रद्धा, उत्साह और कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच शांतिपूर्ण और भव्य तरीके से संपन्न हुआ।

### पलामू पुलिस की बड़ी कार्रवाई

# डीजे कंपटीशन पर कसा शिकंजा, दो बड़े डीजे जब्त

### डीजे की तेज आवाज से महिला की तबीयत बिगड़ी

**मेट्रोरेज संवाददाता**

**मेदिनीनगरः** रामनवमी के दौरान बढ़ते शोर और सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर पलामू पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। टाउन थाना क्षेत्र में डीजे बजाने के दौरान एक महिला की तबीयत बिगड़ने के मामले में पुलिस ने दो बड़े डीजे सिस्टम को जब्त कर लिया है। जब्त किए गए डीजे में उत्तर प्रदेश का शगुन डीजे और मध्य प्रदेश का नटराज डीजे शामिल हैं। बताया जा रहा है कि ये दोनों डीजे राज्य के बाहर से लाए गए थे और रामनवमी जुलूस में तेज आवाज में बजाए जा रहे थे। घटना के दौरान तेज ध्वनि और भीड़-भाड़ के कारण एक महिला की हालत बिगड़ गई, जिसके बाद परिजनों ने टाउन थाना में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों डीजे को जब्त कर लिया। वही कल बस स्टैंड रोड पर एक और गंभीर लापरवाही सामने आई, जहां एक डीजे से जुड़े डीजी जनरेटर में ओवरलोड के कारण आग लग गई। हालांकि समय रहते स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। पुलिस अधिकारियों ने साफ कहा है कि त्योहार के दौरान निर्धारित ध्वनि सीमा और सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य है। नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

### रातु के सिमलिया में रामनवमी हर्षोल्लास के साथ संपन्न

# केसरिया ध्वजों के साथ उमड़ा आस्था व श्रद्धा का जनसैलाब

**मेट्रो रेज**

**रांचीः** जिले के रातु, सिमलिया क्षेत्र के आसपास शुक्रवार को रामनवमी त्योहार हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। इस दौरान पूजा समिति के लोगों ने महावीर झंडा के साथ जुलूस निकालकर क्षेत्र का भ्रमण किया। रामभक्तों के जय श्री राम, जय हनुमान के उद्घोष से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया। इस अवसर पर नयाटोली, सिमलिया, शिव हनुमान मंदिर समिति के प्रवीण सिंह उर्फ पलामू एवं विजय साव के नेतृत्व में पूजा समिति के लोग रामनवमी का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस दौरान महावीर झंडा नयाटोली सिमलिया से महादेव टंगरा मंदिर तक जुलूस के शक्ल में गया तथा पुनः शिव हनुमान मंदिर लौटकर आया। जुलूस और अखाड़े में शामिल लोग जगह-जगह लाठी, डंडा, बरछी, तलवार, फरसा आदि पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र के साथ हैरतअंगेज कर्तव्य दिखाया । इस उत्सव के मौके पर महादेव टंगरा मंदिर परिसर में स्वागत मंच लगाया गया था, जहां तकरीबन 36 पूजा समिति की ओर से महावीरी झंडा एकत्रित हो शामिल हुआ। स्वागत मंच की ओर से झांकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले समितियों के लिए ढोल, ताशा, और पारंपरिक वाद्य यंत्रों से पुरस्कृत किया गया। जबकि अन्य सभी समितियां को सांत्वना पुरस्कार के रूप में लाठी और तलवार भेंट कर हौसला अफजाई किया गया। स्वागत मंच की ओर से जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्धजनो को बैच लगाकर तथा अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया। वहीं महादेव टंगरा स्वागत मंच के साथ रिंग रोड, दलादिली चौक दुर्गा पूजा समिति की ओर से भी स्वागत शिविर आयोजित कर चना, पानी, शरबत आदि की व्यवस्था की गई थी। इस मौके पर राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, भाजपा नेत्री सुमन मिश्रा, रातु प्रमुख संगीता देवी, पूर्व प्रमुख सुरेश मंडा सहित कई जनप्रतिनिधियों एवं प प्रबुद्धजनों को स्वागत समिति के तरफ से कुशवाहा शिवचरण महतो, कामेश्वर महतो जी सहित अन्य समिति के पदाधिकारियों द्वारा बैच लगाकर तथा अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी राम भक्तों को सामाजिक एवं धार्मिक जागरूकता के साथ सांस्कृतिक समरसता का संदेश देते हुए, उत्साह बढ़ाया और शांति बनाए रखने की अपील करते हुए, कहा कि आज जब समाज नैतिक मूल्यों की तलाश में है, तब प्रभु श्री राम का त्याग, धैर्य और अटूट मयार्दा हर पीढ़ी के लिए प्रेरणापुंज है। उनका राम राज्य आज भी विश्व के लिए सुशासन का सर्वोच्च मानक है।वहीं सुरक्षा के लिहाज से पूरे परिसर में ड्रोन कैमरे की भी व्यवस्था की गई थी, और पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद थी।

## प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

**रांचीः** स्थानीय प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय चरपोखरी भोजपुर के कला प्रेक्षागृह में , मुख्यमंत्री बालिका कैंसर प्रतिरक्षण योजना अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरपोखरी के स्वास्थ्य टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में शिक्षक शिक्षिका के साथ साथ छात्राएं शामिल हुई। छात्राओं को सर्विकल सेंसर वैक्सिंग का दूसरा डोज डाक्टर अदिति ब्रिंद, खुशबू कुमारी ओफ्थालमिक असिस्टेंट, सुजामपादी देवी, मुकेश कुमार,दिपक कुमार, धर्मेन्द्र कुमार स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा दिया गया। साथ में स्वास्थ्य संबंधित दवा भी वितरित किया गया।

## सुविचार

**सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।**

## प्रेमी जीवों को आत्मानंद प्रदान करने के लिए अवतार ग्रहण करते हैं भगवान राम, श्रीकृष्ण

परमब्रह्म परमात्मा, सच्चिदानन्द स्वरूप, पुराण पुरुषोत्तम भगवान राम एवं श्रीकृष्ण का इस धरा धाम पर अवतरण आध्यात्मिक जगत की अद्भुततम, विस्मयकारी, अनिर्वचनीय, अकल्पनीय एवं महानतम घटना है। भगवान श्री हरि विष्णु अधर्म के नाश और धर्म की स्थापना हेतु युग-युग में श्रीराम एवं श्रीकृष्ण सहित विविध स्वरुपों में प्रकट होते हैं, किंतु इस धरा धाम पर भगवान का अवतरण केवल आसुरी शक्तियों के विनाश और धर्म स्थापना के लिए ही नहीं होता है, अपितु उनके अवतार धारण करने का मुख्य हेतु अपने प्रेमी भक्तों को अपनी दिव्य लीलाओं के माध्यम से आत्मानंद प्रदान करना भी है। अर्थात अपने प्रेमी जीवों को आत्मानंद का दिव्यतम सुख प्रदान करने के निमित्त से भगवान अवतार ग्रहण करते हैं।

भगवान का अवतरण, उनकी लीलाएं और उपादान सब कुछ दिव्यता लिए हुए होते हैं। कहने को ही भगवान मनुष्य शरीर सहित विभिन्न शरीर धारण करते हैं, वस्तुतः भगवान के वे सब अवतारी शरीर पंचभौतिक होते ही नहीं, अपितु उनके वह शरीर दिव्य, चिन्मय प्रकाश रूप होते हैं, जिसके दर्शन की लालसा में वीतरागी महात्मा जन अनंतानंत जन्मों तक साधना किया करते हैं। मनुष्यों में निष्काम भाव की कमी और असत वस्तु को सत्ता एवं महत्व देने से ही अधर्म बढ़ता है, जिससे मनुष्य दुष्ट स्वभाव वाले हो जाते हैं, इसलिए भगवान अवतार लेकर आचरण के द्वारा निष्काम भाव प्रसरित करते हैं, और तब स्वतः रुप से धर्म की स्थापना हो जाती है।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण अर्जुन को ज्ञान प्रदान करते हुए कहते हैं कि अजोपि सन्नव्ययात्मा भूतानामीश्वरोपि सन्। पृकृतिं स्वामधिष्ठाय सम्भवाम्यात्ममायया।।यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहं।।

अर्थात भगवान श्री कृष्ण अर्जुन को कहते हैं कि यद्यपि मैं अजन्मा तथा अविनाशी हूं और समस्त जीवों का स्वामी हूं, तो भी प्रत्येक युग में मैं अपने आदि दिव्य रुप में प्रकट होता हूं। हैं भरतवंशी! जब-जब भी और जहां भी धर्म का पतन होता है और अधर्म की प्रधानता होने लगती है, तब-तब मैं अवतार लेता हूं। भक्तों का उद्धार करने, दुष्टों का विनाश तथा धर्म की फिर से स्थापना करने के लिए मैं हर युग में प्रकट होता हूं।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए ज्ञान की सरल व्याख्या अनुसार जब भी धर्म का ह्रास और अधर्म की वृद्धि होने लगती है, तब भक्तजनों का उद्धार एवं दुष्टों का विनाश कर धर्म की स्थापना हेतु भगवान युग-युग में प्रकट होते हैं। किंतु गीता में उद्धरित इन वचनों को महात्माओं द्वारा विशिष्ट एवं व्यापक परिप्रेक्ष्य में की गई व्याख्या को देखने पर स्पष्ट होता है कि केवल दुष्टों का विनाश ही भगवान के अवतार का एक मात्र हेतु नहीं हो सकता।

श्रीमद्भगवद्गीता की टीका साधक संजीवनी में महात्मा रामसुखदासजी महाराज लिखते हैं कि सर्वसमर्थ भगवान अवतार लिए बिना भी संतजनों की रक्षा, दुष्टों का विनाश और धर्म की स्थापना कर सकते हैं, किंतु वे अपने प्रेमी भक्तों को प्रभु के सान्निध्य प्राप्त करने की उनकी अंतर्निहित भावनाओं को पूर्ण करने के निमित्त से अवतार लेते हैं। इस तरह भगवान जीवों पर विशेष कृपा करने हेतु स्वयं को मनुष्य रूप में प्रकट कर ऐसी लीलाएं करते हैं, जिससे अवतार काल में भगवान के दर्शन, स्पर्श वातार्लाप आदि से और भविष्य में उनकी दिव्य लीलाओं के श्रवण, चिंतन, ध्यान और उपदेशों के आचरण से लोगों का सहज रूप से उद्धार हो जाता है, और इसी प्रकार लोगों का सदा उद्धार होता रहे, इसी उद्देश्य से भगवान अवतार धारण करते हैं। जगत का प्रत्येक जीव आनंद की चाहत रखता है और वह दिव्यतम आनंद सांसारिक सुखों में है ही नहीं, अपितु प्रभु शरणागति और प्रभु प्रेम में ही निहित है, इसलिए भगवान अपने शरणागत प्रेमी जीवों पर कृपा कर सगुण रूप धारण कर अवतरित होते हैं। श्री भगवान का अवतरण और उनकी लीलाएं दिव्यतम, मधुर और जगत को आनंद प्रदान करने वाली होती है, ओर प्रभु के प्रियजन प्रभु की उन दिव्यतम लीलाओं के आस्वादन हेतु सदैव लालायित रहा करते हैं।

श्रीमद्भगवद्गीता ओर श्रीरामचरितमानस में उल्लेख अनुसार भगवान कृष्ण और राम, धर्म स्थापना हेतु युग युग में अवतार ग्रहण करते हैं ओर अधर्मियों, आसुरी शक्तियों का संहार कर धर्म राज्य की स्थापना करते हैं, किंतु यह भगवान का एकमेव लक्ष्य नहीं हो सकता। प्रभु के अवतरण का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य अपने प्रियजनों को आत्मानंद प्रदान करना भी है, क्योंकि यदि केवल दैत्यों, दानवों या राक्षसों का विनाश कर धर्म स्थापना ही भगवान के अवतरण का एक मात्र निमित्त होता, तो उस निमित्त के लिए निर्गुण भगवान को सगुण रूप धारण करने की आखिर क्या जरूरत हो सकती है? भगवान यदि केवल संकल्प भर कर लें तो क्षणांश में संपूर्ण जगत की समस्त आसुरी शक्तियां स्वयंमेव समाप्त हो सकती है और तत्क्षण धर्म राज्य की स्थापना हो सकती है।

श्रीरामचरितमानस में महात्मा तुलसीदास इन्द्र पुत्र जयंत की कथा का वर्णन करते हुए लिखते हैं कि इन्द्र के पुत्र जयंत के द्वारा जब देवी सीता के चरणों में आघात पहुंचाए जाने पर भगवान राम ने एक तिनका उठाकर उसकी और फैंक दिया था, श्री राम के द्वारा फैंका गया वही तिनका उसके लिए विकराल तीर बन गया, और उस तिनके रुपी तीर से त्रिलोकी में कोई भी दैवीय शक्ति उसकी रक्षा नहीं कर पाई, ओर अंततः भगवान सीताराम के चरणों में समर्पण के बाद वह निर्भय हो सका। निःसंदेह ईश्वर के लिए धर्म स्थापना बच्चों के खेल से अधिक कुछ नहीं हो सकता। वस्तुतः वे अपने प्रेमी जनों को आत्मानंद का सुख प्रदान करने के हेतु से ही सगुण साकार रूप धारण कर इस धरा धाम पर पधारते हैं, और प्रेम की प्यासी जीवात्माओं को प्रेमानंद से परिपूर्ण कर संपूर्ण जगत में प्रेम राज्य की स्थापना करते हैं।

भगवान का अवतरण और उनके नाम, रुप, लीला एवं धाम सब दिव्य हैं, जिनका संपूर्ण रुप से वर्णन करने में ब्रह्मा भी स्वयं को अक्षम पाते हैं, ओर वेद नैति नैति कहते हुए मौन हो जाते हैं। उन भगवान श्री हरि विष्णु का श्रीराम अथवा श्री कृष्ण के रूप में प्राकट्य और उनकी दिव्य लीलाओं का स्मरण हमारी चेतना को उर्ध्वगामी बनाता है और जब हमारी चेतना ऊपर के केंद्रों में स्थित हो जाती है, तब शरीर,आत्मा और इन सबसे अलग परमात्मा के बीच अन्तर भासित होंने लगता है। यही समझ इस भौतिक जगत से परमात्मतत्व की तरफ यात्रा का महत्वपूर्ण बिंदु है। वैदिक ज्ञान का चरम लक्ष्य भी यही है कि हम भौतिक जगत के बंधनों से स्वयं को मुक्त कर परमात्म-तत्व के अनुसंधान की दिशा में अग्रसर होवें, किंतु ऐसा तभी संभव हो सकता है, जब हम भगवान के परम, दिव्य स्वरूप को समझते हुए समस्त कारणों के परम कारण उन प्रभु की शरण ग्रहण कर संपूर्ण निष्ठा और समर्पित भाव से अनवरत रूप से उनका स्मरण करते हुए भगवान के दिव्यतम प्रेम की प्राप्ति के अधिकारी बन जाएं। यहां हमें यह बात पूरी शिद्दत से समझनी होगी कि लोक के या पारलौकिक सारे सौंदर्य जनक, ऐश्वर्यपूर्ण एवं उत्कृष्टतम पदार्थ और घटनाएं वस्तुतः भगवान के दिव्यतम ऐश्वर्य एवं शक्तियों की अत्यंत लघु या आंशिक अभिव्यक्ति भर है, पानी की एक बूंद है, किंतु प्रभु प्रियता है, प्रलयकाल का अंतहीन महासागर। महत्वपूर्ण प्रश्न है कि काम, क्रोध, लोभ, मोह में रत हम लोग प्रभु प्रियता आखिर कैसे प्राप्त करें? इस प्रश्न का समाधान करते हुए महात्मा जन कहते हैं कि हम भगवान से अपना कोई भी संबंध बना लें और उनसे प्रेम करते हुए उनके पावन नामों का स्मरण करते रहें।

# अदालत की कसौटी में स्थानांतरण नीति

**क्या सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करना ही समानता है, या परिस्थितियों के अनुसार भिन्न व्यवहार ही न्याय के अधिक निकट है? जनवरी 2026 में आई टिप्पणी ने हरियाणा सरकार की स्थानांतरण नीति 2025 को व्यापक सार्वजनिक विमर्श का विषय बना दिया। इस नीति में दिव्यांग कर्मचारियों के लिए 4060 प्रतिशत दिव्यांगता पर 10 अंक, 60-80 प्रतिशत पर 15 अंक तथा 80 प्रतिशत से अधिक पर 20 अंक निर्धारित किए गए हैं। प्रथम दृष्टि में यह व्यवस्था तर्कसंगत और संवेदनशील प्रतीत होती है, क्योंकि यह इस मूल तथ्य को स्वीकार करती है**

**डॉ. सत्यवान सौरभ**

हरियाणा की स्थानांतरण नीति पर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणी ने एक गंभीर और दूरगामी संवैधानिक बहस को जन्म दिया है। यह बहस केवल एक प्रशासनिक निर्णय या अंक-प्रणाली तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस मूल प्रश्न को छूती है जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के केंद्र में होता है—समानता का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करना ही समानता है, या परिस्थितियों के अनुसार भिन्न व्यवहार ही न्याय के अधिक निकट है? जनवरी 2026 में आई टिप्पणी ने हरियाणा सरकार की स्थानांतरण नीति 2025 को व्यापक सार्वजनिक विमर्श का विषय बना दिया। इस नीति में दिव्यांग कर्मचारियों के लिए 4060 प्रतिशत दिव्यांगता पर 10 अंक, 60-80 प्रतिशत पर 15 अंक तथा 80 प्रतिशत से अधिक पर 20 अंक निर्धारित किए गए हैं। प्रथम दृष्टि में यह व्यवस्था तर्कसंगत और संवेदनशील प्रतीत होती है, क्योंकि यह इस मूल तथ्य को स्वीकार करती है कि दिव्यांगता एकरूप नहीं होती, बल्कि उसकी तीव्रता और प्रभाव भिन्न-भिन्न होते हैं। इस दृष्टि से अधिक दिव्यांगता वाले व्यक्ति को अधिक सहायता देना न्यायसंगत माना जा सकता है। किन्तु यहीं से विवाद का प्रारंभ होता है। प्रश्न यह है कि क्या ऐसा वर्गीकरण संवैधानिक कसौटियों पर खरा उतरता है? पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने इस नीति को निरस्त नहीं किया है, बल्कि इसके औचित्य पर गंभीर प्रश्न उठाए हैं। न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की पीठ ने स्पष्ट किया कि यह मामला गहन विचारणीय है और इसमें संवैधानिक सिद्धांतों की सूक्ष्म समीक्षा अपेक्षित है।याचिकाकताओं का तर्क मुख्यतः दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 पर आधारित है। इस अधिनियम के अनुसार 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले सभी व्यक्ति एक समान श्रेणी में आते हैं। ऐसे में 40 और 80 प्रतिशत दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के बीच अंक-आधारित भेदभाव समानता के अधिकार का उल्लंघन प्रतीत हो सकता है। यह दृष्टिकोण ह्लऔपचारिक समानताह्व की अवधारणा को रेखांकित करता है, जिसमें सभी के साथ समान व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। हालांकि, भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 केवल औपचारिक समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि ह्लवास्तविक समानताह्व की ओर संकेत करता है। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल राज्य बनाम अनवर अली सरकार जैसे मामलों में ह्लतर्कसंगत वर्गीकरणह्व का सिद्धांत स्थापित किया है। इसके अनुसार, यदि वर्गीकरण स्पष्ट, बुद्धिसंगत और उद्देश्य से तार्किक रूप से जुड़ा हो, तो वह असंवैधानिक नहीं माना जाएगा। यहीं यह प्रश्न और जटिल हो जाता है कि क्या दिव्यांगता के प्रतिशत के आधार पर किया गया यह वर्गीकरण वास्तव में तर्कसंगत है। क्या 40 और 80 प्रतिशत दिव्यांगता के बीच का अंतर केवल संख्यात्मक है, या यह व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता, कार्यक्षमता और आत्मनिर्भरता में भी गहरा अंतर उत्पन्न करता है? यदि यह अंतर वास्तविक है, तो अधिक अंक देना न्यायोचित ठहराया जा सकता है; अन्यथा यह वर्गीकरण मनमाना प्रतीत होगा।

दिव्यांगता को केवल चिकित्सीय दृष्टि से समझना पर्याप्त नहीं है; यह एक सामाजिक और मनोवैज्ञानिक अनुभव भी है। किसी व्यक्ति की कार्यक्षमता, सामाजिक सहभागिता और आत्मनिर्भरता—ये सभी कारक उसकी वास्तविक स्थिति को निर्धारित करते हैं। अतः केवल प्रतिशत के आधार पर नीति निर्माण एक सीमित और अधूरा दृष्टिकोण हो सकता है। इसके साथ ही, नीति की पारदर्शिता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान विवाद का एक प्रमुख कारण यह है कि अंक निर्धारण के पीछे का वैज्ञानिक या सांख्यिकीय आधार स्पष्ट नहीं किया गया है। यदि यह आधार सार्वजनिक नहीं होगा, तो नीति मनमानी प्रतीत हो सकती है, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही सकारात्मक क्यों न हो। इस संदर्भ में न्यायालय का हस्तक्षेप एक रचनात्मक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय यह सुनिश्चित करना चाहता है कि नीतियां केवल औपचारिक न रह जाएं, बल्कि वास्तविक न्याय का माध्यम बनें। यह लोकतंत्र की वह शक्ति है, जहां न्यायपालिका नीतियों को संतुलित और उत्तरदायी बनाए रखती है। सरकार के लिए यह आत्ममंथन का उपयुक्त समय है। यदि अंक निर्धारण के पीछे ठोस शोध और आंकड़े हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाना चाहिए। यदि नहीं, तो विशेषज्ञों की एक बहु-विषयक समिति गठित कर अधिक वैज्ञानिक और व्यावहारिक ढांचा विकसित किया जाना चाहिए। केवल प्रतिशत के स्थान पर ह्लकार्यात्मक क्षमताह्व, ह्लदैनिक जीवन पर प्रभावह्व और ह्लसामाजिक सहभागिताह्व जैसे मानकों को शामिल करना अधिक न्यायसंगत दृष्टिकोण हो सकता है। अंततः, यह बहस हमें समानता की अवधारणा पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित करती है। समानता का अर्थ सबको एक जैसा देना नहीं, बल्कि सबको उनकी परिस्थितियों के अनुरूप न्याय देना है। यही वास्तविक समानता है, जो एक समावेशी और न्यायपूर्ण समाज की आधारशिला बनती है। निष्कर्षतः, यह मुद्दा सरकार और न्यायालय के बीच टकराव का नहीं, बल्कि नीति और न्याय के संतुलन का है। यदि हरियाणा सरकार संवेदनशीलता और तर्क के बीच संतुलन स्थापित कर पाती है, तो यह केवल एक विवाद का समाधान नहीं होगा, बल्कि भविष्य की नीतियों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण सिद्ध होगा।

**(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

# वैश्विक संकट और ऊर्जा संरक्षण

**ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024ह्न के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं।**

**योगेश कुमार गोयल**

आज समूचा विश्व भू-राजनीतिक तनाव के दौर से गुजर रहा है। ईरान, अमेरिका तथा इजराइल के बीच के टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। इसलिए ऊर्जा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा स्रोतों पर बढ़ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सभ्यता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर खड़ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है।

संयुक्त राष्ट्र की एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024ह्न के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है।

भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की ह्यइंडिया एनर्जी आउटलुक 2024ह्न रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का केंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और ह्यउजालाह्न जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है। ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर कंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। यदि भारत का प्रत्येक परिवार प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली की बचत करे तो यह देश के लिए ऊर्जा क्रांति के समान होगा। ऊर्जा संरक्षण का संबंध केवल बिजली तक सीमित नहीं है बल्कि यह जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। ऊर्जा उत्पादन में जल का व्यापक उपयोग होता है और जल की बरबादी सीधे ऊर्जा की बबार्दी में बदल जाती है। इसी प्रकार, ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि का मुख्य कारण है। आज जब दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, तब ऊर्जा संरक्षण इस दिशा में सबसे प्रभावी हथियार साबित हो सकता है।

अक्षय ऊर्जा इस संकट का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी सफलता भी ऊर्जा संरक्षण पर ही निर्भर करती है। सौर, पवन और जैव ऊर्जा जैसे स्रोतों का विस्तार तभी प्रभावी होगा, जब ऊर्जा की कुल मांग को नियंत्रित किया जाए। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें इस दिशा में नई संभावनाएं खोल रही हैं लेकिन इन सबका मूल आधार ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही है। शहरीकरण के बढ़ते दबाव ने भी ऊर्जा खपत को तेजी से बढ़ाया है। महानगरों में ऊंची इमारतें, एयर कंडीशनिंग सिस्टम और बढ़ती वाहन संख्या ऊर्जा की मांग को कई गुना बढ़ा देती है। ऐसे में हरित भवन निर्माण, सौर पैनलों का उपयोग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना आवश्यक हो जाता है। यदि भवन निर्माण में ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता दी जाए तो बिजली की खपत में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। यह न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

ऊर्जा संरक्षण का एक महत्वपूर्ण आयाम औद्योगिक क्षेत्र भी है। उद्योगों में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने से उत्पादन लागत में कमी आती है और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि ऊर्जा संरक्षण को केवल सरकारी नीति या अभियान के रूप में न देखा जाए बल्कि इसे एक सामाजिक संस्कृति के रूप में विकसित किया जाए। विद्यालयों में ऊर्जा शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए, मीडिया के माध्यम से जनजागरुकता बढ़ाई जाए और प्रत्येक नागरिक को यह समझाया जाए कि ऊर्जा की बचत केवल व्यक्तिगत लाभ नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। जब तक ऊर्जा संरक्षण हमारी आदत नहीं बनेगा, तब तक किसी भी नीति या तकनीक का पूर्ण लाभ नहीं मिल सकेगा।

वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत के पास एक अवसर भी है, एक ऐसे मॉडल के रूप में उभरने का, जो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित कर सके। यदि भारत ऊर्जा संरक्षण, अक्षय ऊर्जा और तकनीकी नवाचार के समन्वय से आगे बढ़ता है तो वह न केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि विश्व के लिए एक प्रेरणा भी बन सकता है। यह समझना आवश्यक है कि ऊर्जा का संकट केवल संसाधनों का संकट नहीं है बल्कि यह हमारी सोच और व्यवहार का संकट भी है। यदि हम ऊर्जा को अनमोल संसाधन मानकर उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना सीख लें तो न केवल वर्तमान संकट से उबर सकते हैं बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध दुनिया भी सुनिश्चित कर सकते हैं। ऊर्जा संरक्षण कोई जटिल विज्ञान नहीं बल्कि एक सरल जीवनशैली है और यही जीवनशैली आज धरती को बचाने की सबसे प्रभावी चाबी बन चुकी है।

**(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

# सदैव अनुकरणीय रहेंगे मयार्दा पुरूषोत्तम भगवान राम के आदर्श

भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में समूचे भारतवर्ष में प्रतिवर्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष नवमी को अपार श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ रामनवमी का त्यौहार मनाया जाता है। रामनवमी की तारीख को लेकर इस बार भ्रम की स्थिति बनी हुई है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल चैत्र महीने के शुक्लपक्ष की नवमी तिथि 26 मार्च को सुबह 11:48 बजे से शुरू होकर अगले दिन 27 मार्च को सुबह 10:06 बजे तक रहेगी। ऐसे में समान्य जन रामनवमी का पर्व 26 मार्च को मनाएंगे जबकि वैष्णव परंपरा से जुड़े लोग उदया तिथि के आधार पर 27 मार्च 2026 को रामनवमी मनाएंगे। रामनवमी के दिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में उत्सवों का विशेष आयोजन होता है, जिनमें भाग लेने के लिए देशभर से हजारों भक्तगण अयोध्या पहुंचते हैं तथा अयोध्या स्थित सरयू नदी में पवित्र स्नान कर पंचकोसी की परिक्रमा करते हैं। समूची अयोध्या नगरी इस दिन पूरी तरह राममय नजर आती है और हर तरफ भजन-कीर्तनों तथा अखण्ड रामायण के पाठ की गूंज सुनाई पड़ती है। देशभर में अन्य स्थानों पर भी जगह-जगह इस दिन श्रद्धापूर्वक हवन, व्रत, उपवास, यज्ञ, दान-पुण्य आदि विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है।

मान्यता है कि त्रेता युग में इसी दिन अयोध्या के महाराजा दशरथ की पटरानी महारानी कौशल्या ने मयार्दा



पुरूषोत्तम श्रीराम को जन्म दिया था। श्रीराम का चरित्र बेहद उदार प्रवृत्ति का था। उन्होंने उस अहिल्या का भी उद्धार किया, जिसे उसके पति ने देवराज इन्द्र द्वारा छलपूर्वक उसका शीलभंग किए जाने के कारण पतित घोषित कर पत्थर की मूर्त बना दिया था। जिस अहिल्या को निर्दोष मानकर किसी ने नहीं अपनाया, उसे भगवान श्रीराम ने अपनी छत्रछाया प्रदान की। लोगों को गंगा नदी पार कराने वाले एक मामूली से नाविक केवट की अपने प्रति अपार श्रद्धा व भक्ति से प्रभावित होकर भगवान श्रीराम ने उसे अपने छोटे भाई का दर्जा दिया और उसे मोक्ष प्रदान किया। अपनी परम भक्त शबरी नामक भीलनी के झूठे बेर खाकर शबरी का कल्याण किया।

महारानी केकैयी ने महाराजा दशरथ से जब राम को 14 वर्ष का वनवास दिए जाने और अपने लाड़ले पुत्र भरत को राम की जगह राजगद्दी सौंपने का वचन मांगा तो दशरथ गंभीर धर्मसंकट में फंस गए थे। वह बिना किसी कारण राम को 14 वर्ष के लिए वनों में भटकने के लिए भला कैसे कह सकते थे और श्रीराम में तो वैसे भी उनके प्राण बसते थे। दूसरी ओर वचन का पालन करना रघुकुल की मयार्दा थी। ऐसे में जब श्रीराम को माता केकैयी द्वारा यह वचन मांगने और अपने पिता महाराज दशरथ के इस धर्मसंकट में फंसे होने का पता चला तो उन्होंने खुशी-खुशी उनकी यह कठोर आज्ञा भी सहज भाव से शिरोधार्य की और उसी समय 14 वर्ष का वनवास भोगने तथा छोटे भाई भरत को राजगद्दी सौंपने की तैयारी कर ली। श्रीराम द्वारा लाख मना किए जाने पर भी उनकी पत्नी सीता जी और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वनों में निकल पड़े।

वनवास की यात्रा की शुरूआत श्रृंगवेरपुर नामक स्थान से प्रारंभ कर वहां से वे भारद्वाज मुनि के आश्रम में चित्रकूट पहुंचे। उसके बाद विभिन्न स्थानों की यात्रा के दौरान पंचवटी में उन्होंने अपनी कुटिया बनाने का निश्चय किया। यहीं पर रावण की बहन शूर्पणखां की नाक काटे जाने की घटना हुई। उसी घटना के कारण वहां खर-दूषण सहित 14000 राक्षस राम-लक्ष्मण के हाथों मारे गए। यहीं से श्रीराम व लक्ष्मण की अनुपस्थिति में लंका का राजा रावण माता सीता का अपहरण कर उन्हें अपने साथ लंका ले गया। कहा जाता है कि जब सीता का विरह श्रीराम से नहीं सहा गया तो उन्होंने साधारण मनुष्य की भांति विलाप किया लेकिन हिम्मत न हारते हुए सीता जी की खोज में राम-लक्ष्मण जंगलों में भटकने लगे। इसी दौरान उनकी भेंट श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमान से हुई, जिन्होंने राम-लक्ष्मण को वानरराज बाली के छोटे भाई सुग्रीव से मिलाया, जो उस समय बाली के भय से यहां-वहां छिपता फिर रहा था। श्रीराम ने बाली का वध करके सुग्रीव तथा बाली के पुत्र अंगद को किष्किंधा का शासन सौंपा और उसके बाद सुग्रीव की वानरसेना के नेतृत्व में लंका पर आक्रमण कर देवताओं पर भी विजय पाने वाले महाप्रतापी, महाबली, महापंडित तथा भगवान शिव के घोर उपासक लंका नरेश राक्षसराज रावण का वध कर सीता को उसके बंधन से मुक्त कराया और लंका पर खुद अपना अधिकार न जमाकर लंका का शासन रावण के छोटे भाई विभीषण को सौंप दिया तथा वनवास की अवधि समाप्त होने पर भैया लक्ष्मण, सीता जी व हनुमान सहित अयोध्या लौट आए। वास्तव में विधि के विधान के अनुसार राम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था। उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीलाएं खेली और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें ह्यमयार्दा पुरूषोत्तमह्न कहा गया।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
**प्रधान संपादक** : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
**email : metrorays.ranchi@gmail.com**

# तीनपहाड़ में रामनवमी के शुभ अवसर पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

✔ सभी उम्र व हर वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर निभाई भागीदारी

**संवाददाता**

**साहिबगंज/तीनपहाड़:** राजमहल प्रखंड अंतर्गत तीनपहाड़ बाजार में रामनवमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। वहीं शोभायात्रा संध्या लगभग 5 बजे श्री राम चौक से प्रारंभ हुई जिसमें हजारों की संख्या में महिलाएं और पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। जिससे पूरा क्षेत्र भक्ति और उल्लास के रंग में रंग गया। श्री राम चौक से निकली शोभायात्रा में आसपास के विभिन्न गांवों से श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचे। छोटे छोटे बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों तक, हर वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। शोभायात्रा श्री राम चौक से प्रारंभ होकर बाबूपुर गांव होते हुए तीनपहाड़ मुख्य बाजार से गुजरती हुई बभनगामा मोड़ तक पहुंची जहां जगह-जगह लोगों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया। शोभायात्रा की खास आकर्षण भगवान श्रीराम माता जानकी लक्ष्मण एवं हनुमान की सजीव एवं मनमोहक झांकियां रहीं जिन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। डीजे की भक्तिमय धुनों पर थिरकते युवाओं का उत्साह चरम पर था। जय श्रीराम के गगनभेदी नारों से पूरा इलाका गुंजायमान हो उठा और माहौल पूरी तरह भक्तिमय बन गया। श्री राम चौक पर श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों रामभक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। आयोजन समिति द्वारा बेहतर प्रबंधन और अनुशासन का परिचय दिया गया, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडेय पुलिस बल के साथ पूरी तरह सक्रिय एवं मुस्तैद दिखे। वहीं उन्होंने बताया कि रामनवमी का यह पर्व आपसी भाईचारे, शांति और सद्भाव का प्रतीक है।जिसे क्षेत्र में पूरी शांति और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।

## धूमधाम और शांतिपूर्ण ढंग से मनी रामनवमी

✔ बिंदुधाम मंदिर से निकली भव्य शोभा यात्रा

साहिबगंज/बरहरवा: जिले के बरहरवा स्थित सुप्रसिद्ध मंदिर बिंदुधाम में रामनवमी महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में भरपूर उत्साह देखने को मिला,शतचण्डी महायज्ञ के दौरान मंदिर प्रांगण में भारी संख्या में स्थानीय लोगों के साथ साथ अन्य राज्यो प.बंगाल,बिहार से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा अर्चना और महायज्ञ की प्रकिया में भाग लेने पहुँचे थे ,वर्षो से चली आ रही बिंदुधाम मंदिर की रमानवमी पूजा की काफी मान्यता है, जिसको देखने लोग दूर दूर से यहाँ अपनी मनोकामना लेकर पहुँचते है,मान्यता है कि माँ बिन्दुवासिनी सभी की मनोकामना पूर्ण करती है।अहले सुबह से ही भक्तों का ताँता मंदिर परिसर में उमड़ने लगा।

प्रत्येक वर्ष की भाँति निकाली गई भव्य शोभायात्रा जुलूस व झांकी: बिंदुधाम मंदिर कमिटी द्वारा भव्य शोभायात्रा जुलूस प्रसाशनिक देख रेख में निकाली गई।हजारो की संख्या में रामभक्त हाथों में जय श्री राम का नारा लगाते हुए दोपहर लगभग 3 बजे बिंदुधाम मंदिर प्रांगण से शोभायात्रा के साथ सभी वर्ग के रामभक्त युवा, बुजुर्ग,महिला भारी संख्या में पूरी प्रबलता के साथ सहभागिता निभाई। शोभा यात्रा में मनमोहक शिवतांडव,राम सीता लक्ष्मण बजरंगबली,राधाकृष्णा झाँकी के तौर पर कलाकरों ने अपनी अपनी कलाकारी शोभायात्रा के दौरान दिखाई,जो यात्रा बिंदधाम मंदिर प्रांगण से झिकटिया चौक होते हुए पतना चौक,बरहरवा मुख्य मार्ग से स्टेशन चौक सब्जीमण्डी स्टेशन चौक ,पहाड़ी बाबा चौक से पुन: झिकटिया चौक होते हुए सभी भक्तगण बिंदुधाम मंदिर प्रांगण पहुँचे। इस दौरान बिंदधाम मंदिर प्रबंध समिति के कार्यकारी अध्यक्ष शक्तिनाथ अमन उपाध्यक्ष जितेंद्र यादव,सचिव दिनेश कर्मकार ने बताया कि हर वर्ष की भाँति शांतिपूर्ण ढंग से रमानवमी शोभायात्रा हजारो की संख्या में भक्तगणों के साथ निकाली जाती है। और रामभक्तो का उत्साह और जयकारा पूरे शहर को भक्ति में सराबोर कर देती है। माता के आशीर्वाद सभी की मनोकामना पूर्ण होती है। शहर के लोग व्यवसायी भी शोभायात्रा के दौरान जुलुश में मौजूद भक्तो के लिए जगह जगह प्याऊ शर्बत आदि की व्यवस्थाएं करते है। उनकी सहभागिता काफी महत्वपूर्ण है।

### कलश विसर्जन के साथ चैत्र नवरात्री सम्पन्न

## विजय दशमी की पूजा अर्चना वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से किया

**संवाददाता**

**साहिबगंज:** नवरात्री के दसवें दिन विजय दशमी के पावन अवसर पर शनिवार को अहले सुबह मंदिरों में विजय दशमी की पूजा अर्चना वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से किया गया। शहर के भारतीय कला मंदिर सकरूगढ़ चैती दुर्गा मंदिर, रसूलपुर दहला चैती दुर्गा मंदिर, चौक बाजार दुर्गा मंदिर, जीरवाबाड़ी तुरी टोला चैती दुर्गा मंदिर में मां दुर्गा का पूजन करके दही चूड़ा का भोग लगाकर, मां दुर्गा को महिलाओं ने खोयचा चढ़ाकर, सिंदूर लगाकर, अपराजिता पूजन करके विधिवत रूप से मां दुर्गा को विदा किया। वही हवन पूजन भी किया गया। ढोल नगाड़ा गाजे बाजे के साथ कलश विसर्जन मंदिर से निकलकर मुख्य मार्ग होते हुए स्थानीय गंगा तट पहुंचकर कलश विसर्जन किया गया। वही आचार्य रंजय शास्त्री ने बताया कि मां दुर्गा का आगमन पालकी पर हुआ जो सामान्य या मिश्रित फलदायी माना जाता है। वही माता रानी का प्रस्थान हाथी पर हुआ, जो शुभ और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। मां दुर्गा जब विदा हो रही थी तो साक्षात हाथी महाराज आंधी बारिश के साथ आकर मां दुर्गा को अपने साथ लेकर भक्तों के बीच से प्रस्थान हुई। वही भक्त मंदिर पहुंचकर मां दुर्गा का दर्शन पूजन करके मेला में लगे फास्ट फूड, आइसक्रीम, चाट, गोलगप्पे, घरेलू सामग्री, खिलौने खरीद रहे ओर मेला का आनंद उठा रहे है।

### धोखाधड़ी से जमीन हड़पने को लेकर महिला ने थाने में आवेदन देकर लगाई न्याय की गुहार

**साहिबगंज:**मामला जीरवाबाड़ी थाना क्षेत्र का है जहां अंबाडीहा निवासी बाहा हेंब्रम ने थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। दिए गए आवेदन में बताए की मेरा पैतृक जमीन मौज अंबाडिहा जमाबंदी नंबर 11 दाग नंबर 120 एवं 121 कुल रकवा एक बीघा जमीन है जिस पर मैं और मेरे परिवार जोत आवाद करते आ रहे हैं और मेरे दखल भोग में है।जिसे अजीत कुमार पिता भोला नाथ शाह न्यू रोड नगर थाना निवासी के द्वारा कुछ लोगों के सहयोग से षड्यंत्र कर हड़पने चाह रहा है।जबकि उक्त जमीन को मैंने कभी भी बिक्री नहीं की हूं ना ही दान में दी हूं।कुछ दिन पूर्व मेरे घर पर आकर मुझे जाति सूचक गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी है जिससे मैं काफी भयभीत हूं। आवेदन देते हुए जमीन को उनके कब्जे से मुक्त करते हुए जान माल की गुहार लगाई है।

## महाभारत पर आधारित 70 फीट का भव्य पंडाल क्षतिग्रस्त

✔ वाहनों व आम लोगो का आवागमन बाधित

**संवाददाता**

साहिबगंज:शुक्रवार की देर रात्रि आयी तेज आंधी और बारिश से साहिबगंज जिला मुख्यालय के बड़ी चैती मंदिर का महाभारत पर आधारित 70 फीट का भव्य पंडाल क्षतिग्रस्त होकर गिर गया।हालांकि पंडाल गिरने की घटना में कोई जान माल की क्षति की सूचना नही है।वही पंडाल के गिरने से एनएच 80 पर रात ढ़ाई बजे से वाहनों व आम लोगो का आवागमन बाधित हो गया। पंडाल के गिरने की घटना पुरे शहर में फैल गई.गिरे पंडाल को देखने के लिए लोगो की भीड़ उमड़ पड़ी थी. वही पूजा समिति व पंडाल का निर्माण किये कारीगरों के द्वारा सुबह सात बजे हाइडा को बुलवाकर गिरे पंडाल को उठाने का प्रयास शुरू कर दिया गया। करीब डेढ़ घंटा कड़ी मेहनत करने के बाद गिरे पंडाल को उठाकर सीधा करने में लोगो को सफलता मिली । वही पंडाल निर्माण करने वाले कारीगर व पेंटर क्षतिग्रस्त हुए पंडाल की मरम्मत कार्य में जुटे है।

# बीआईटी देवघर के 'उत्थान-26' में तकनीकी नवाचारों की धूम, उपायुक्त ने छात्रों के हुनर को सराहा

**संवाददाता**

देवघरः सनातन धर्म का पावन पर्व रामनवमी के दिन शुक्रवार को बीआईटी देवघर के वार्षिक टेक्नो-कल्चरल फेस्ट उत्थान 26 का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में उपायुक्त श्री लकड़ा ने छात्रों को संबोधित करते हुए

अपने अनुभव साझा किए और उन्हें जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। आगे उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए समर्पण और धैर्य सबसे अनिवार्य गुण हैं। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे अपनी तकनीकी शिक्षा का उपयोग समाज की समस्याओं के समाधान के लिए करें। साथ ही उन्होंने बीआईटी देवघर के शैक्षणिक माहौल और छात्रों की रचनात्मकता की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं की छिपी हुई प्रतिभा को निखारने का बेहतरीन मंच प्रदान करते हैं। उपायुक्त ने वार्षिक टेक्नो-कल्चरल फेस्ट के तहत तकनीकी प्रदर्शनी का किया अवलोकनः समारोह में उपायुक्त श्री लकड़ा ने छात्रों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न तकनीकी प्रोजेक्ट्स का बारीकी से निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने विशेष रूप से अक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) मॉडल, जो कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाए गए स्मार्ट सिस्टम की तरह कार्य करेंगे। इसके अलावा छात्रों द्वारा विकसित स्वायत्त और नियंत्रित रोबोट के अलावा इंजीनियरिंग कौशल का प्रदर्शन करती स्व-निर्मित रेसिंग कार एवं टेक्नोलॉजी से संबंधित अन्य नवीन प्रयोगों की सराहना की।

## न्यूज IN ब्रीफ

### राधानगर में आज भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम

साहिबगंज/उधवाः-रामनवमी के पावन अवसर पर प्रखंड उधवा के राधानगर हाई स्कूल मैदान में आज एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम संध्या 8:00 बजे से प्रारंभ होगा। इस आयोजन में क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति प्रस्तावित है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक एमटी राजा शामिल होंगे। वहीं,विशिष्ट अतिथि के रूप में जेमएम प्रखंड कमेटी उधवा के सचिव बिश्वजीत मंडल एवं जिला परिषद सदस्य शाहनारा बीबी की उपस्थिति रहेगी।आयोजन से संबंधित जानकारी सिद्धार्थ मंडल द्वारा दी गई है। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से कार्यक्रम में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

### सिविल कोर्ट के प्रांगण में हुई हनुमान जी की पूजा अर्चना

**न्यायिक पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से खड़ा किया ध्वज**

साहिबगंजःरामनवमी के अवसर में सिविल कोर्ट के प्रांगण में हनुमान जी का पूजा अर्चना का किया गया। उक्त मौके पर जिला अधिवक्ता संघ साहिबगंज एवं न्यायिक पदाधिकारी गण ने संयुक्त रूप से ध्वज को खड़ा किये। साथ ही पूजा के समाप्ति पर हवन किया गया। उक्त अवसर पर अखिल कुमार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश साहिबगंज संजय कुमार उपाध्याय प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय साहिबगंज ,मुख्य नायक दंडाधिकारी साहिबगंज, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी कर रजिस्टर तुषार आनंद, जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रेमनाथ तिवारी, सचिव विजय कर्ण अधिवक्ता संजय जयसवाल, मुनीलाल मंडल गौतम प्रसाद सिंह दारा, मुनीलाल मंडल, अरविंद राय बालकृष्ण पासवान, सुभाष गुप्ता जितेंद्र मालाकार विवेक कुमार, ज्योति प्रकाश ओझाक्षसीताराम मंडल भानु प्रताप सिंह अमरेंद्र मोहंती सिविल कोर्ट स्टाफ शैलेश वर्मा शाहबाज जी पवन कुमार संजय कुमार सुनील कुमार झा चंदन कुमार सिविल कोर्ट के मैनेजर साहब के अलावे न्यायिक पदाधिकारीगण, दर्जनों अधिवक्तागण एवं सिविल कोर्ट के स्टाफ उपस्थित थे।

### रामनवमी पर की गई पेयजल की व्यवस्था

दुमकाः शुक्रवार को समय शाम 5.00 बजे से टीन बाजार चौक (साह रेडीमेड के पास)दुमका में भारत विकास परिषद् दुमका शाखा की ओर से जुलुस में आये भक्त जनों को पेय जल की व्यवस्था की गयी हैं। इस अवसर पर संगठन के क्षेत्रीय संस्कार संयोजिका भारती शर्मा, अध्यक्षा प्रीति भालोटिया, सचिव जीतेन्द्र कुमार साह, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार वरिष्ठ सदस्य किशोर प्रसाद साह, सतीश कुमार, संगीता सिन्हा, सरिता अग्रवाल, ज्योति हिम्मतसिहका, रंजीता देवी, मीना सिंहानियां सहित अन्य सदस्य गण मौजूद थे।

### साइन मंदिर में हुआ हनुमान जी का पूजन

**दुमका:** शुक्रवार को श्री बजरंगबली लोकनाथ साई मंदिर, दुमका में रामनवमी के शुभ अवसर पर हनुमानजी का पूजन उत्सव एवं ध्वजा चढ़ाने का कार्यक्रम किया गया। सुबह 9:00 बजे साईनाथ की भव्य एवं पवित्र पालकी यात्रा मंदिर प्रांगण से निकलकर नगर भ्रमण को गई,। यात्रा नगर भ्रमण करते हुए यात्रा का समापन लोकनाथ साई मंदिर प्रांगण में हुई। उसके बाद बाबा को अर्पण किया हुआ महाभोग महाप्रसाद का वितरण किया गया जो निरंतर रात्रि तक किया गया। इस पुनीत अवसर पर सभी भक्त सह परिवार बंधु-बांधव के साथ पूजन उत्सव में सम्मलित हुए एवं पालकी को कंधा देकर अपने जीवन को यथार्थ किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर प्रबंधन के अध्यक्ष रंजन कुमार सिन्हा, सचिव उत्तम कुमार गुड्डू, कोषाध्यक्ष राधेश्याम शाह, वार्ड न०-. 13 के पार्षद जूही केशरी, अरुण सिंह, जितेंद्र कुमार साह, देवेंद्र चौधरी ,ओमियो सिंह,मनोज कुमार घोष, पूनम वर्मा, प्रिया दास , अमिता घोष,रामप्रवेश साह,सुमन साह, बिनोद सिंह ,आदित्य कुमार,अमर कुमार सहितभक्त गण उपस्थित थे।

### रामनवमी विसर्जन जुलूस को लेकर हाई अलर्ट

**पूर्वी सिंहभूम :** रामनवमी विसर्जन जुलूस को लेकर शनिवार को पूरा शहर हाई अलर्ट पर है। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। मानगो, कदमा, परसुडीह, टेल्को और धातकीडीह को संवेदनशील घोषित करते हुए इन इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। शहरभर में 1650 पुलिसकर्मियों और 313 दंडाधिकारियों की तैनाती की गई है, जबकि 340 सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। शुक्रवार को साकची, काशीडीह और शीतला मंदिर समेत कई इलाकों में पुलिस ने फ्लैग मार्च निकालकर लोगों में सुरक्षा का भरोसा जगाया। दंगा नियंत्रण बल और जगुआर टीम के जवानों ने संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त कर हालात का जायजा लिया। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी तरह की हुड़दंग, स्टंटबाजी या अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिना नंबर प्लेट की बाइक से स्टंट करने वालों को चिन्हित कर कार्रवाई की तैयारी है।

# राम नवमी मेरे लिए बेहद खास, श्रीराम का आशीर्वाद हर पल साथः सोनाक्षी बत्रा

**जी** टीवी के शो 'जगद्धात्री' में मुख्य भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री सोनाक्षी बत्रा ने राम नवमी के मौके पर भगवान श्रीराम के जीवन और उनके आदर्शों पर अपनी गहरी आस्था जताई। उन्होंने कहा कि भगवान राम का जीवन सिखाता है कि हमें धर्म के मार्ग पर कैसे चलना चाहिए। सोनाक्षी बत्रा ने बताया, 'राम नवमी मेरे लिए हमेशा से एक बहुत खास और आध्यात्मिक दिन रहा है। मुझे भगवान राम पर गहरी आस्था है और मैं मानती हूं कि उनका आशीर्वाद जीवन के हर पड़ाव पर मार्गदर्शन और रक्षा करता है। घर पर हम इस दिन पूरे परिवार के साथ पूजा-अर्चना करते हैं, प्रसाद बनाते हैं और उनका आशीर्वाद मांगते हैं।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं श्रीराम के आदर्शों- सत्य, धैर्य, शक्ति और करुणा से बहुत प्रेरित रही हूं। रामायण सुनने मात्र से ही मेरा मन शांति और सकारात्मकता से भर जाता है। राम नवमी सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि आस्था और मन की शांति का एहसास है, जो हमेशा मेरे साथ रहता है।

'जगद्धात्री' में सोनाक्षी बत्रा एक मजबूत, साहसी और न्यायप्रिय महिला का किरदार निभा रही हैं। शो में ड्रामा, एक्शन और भावनाओं का मिश्रण देखने को मिलता है। उन्होंने 'जगद्धात्री' की हालिया शूटिंग के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि जगद्धात्री का किरदार निभाना मेरे लिए एक अविश्वसनीय सफर रहा है और समय के साथ एक्शन सीन वास्तव में इस शो के मेरे सबसे पसंदीदा हिस्सों में से एक बन गए हैं। हाल ही में होली वाले सीन की शूटिंग काफी जोखिम भरी थी।

# मानसी पारेख ने अपने नाम की उपलब्धि

## बताया अपनी सफलता का मूल मंत्र

**टेलीविजन** से फिल्मी दुनिया तक अपनी मेहनत और प्रतिभा का परचम लहरा चुकी अभिनेत्री मानसी पारेख को हाल ही में एंटरटेनमेंट कैटेगरी में फेमिना गेम चेंजर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। अभिनेत्री ने मंगलवार को सम्मान को प्राप्त करने की खुशी जाहिर की और सभी का शुक्रिया भी अदा किया। मानसी ने इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में वे अवॉर्ड हाथ में लिए हुए हैं। मानसी ने लिखा, 'हम अपनी नई राह खुद बनाते हैं। यही हमेशा मेरा मंत्र रहा है, चाहे जिंदगी हो या करियर। मैंने कभी भी लोगों की उम्मीद के मुताबिक रास्ता नहीं चुना। अपना खुद का रास्ता बनाया, भले ही वह कभी-कभी अनिश्चित लगे, हमेशा फायदेमंद साबित हुआ है।' अभिनेत्री ने आगे बताया कि वे एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखती हैं और इंडस्ट्री में बिना किसी कनेक्शन के शुरुआत करना उनके लिए आसान नहीं था। मानसी ने लिखा, 'बिना किसी मदद के शुरुआत करके आज अपने सपनों को जीना और दूसरों के लिए भी नए मौके बनाना बहुत संतोषजनक है। उन्होंने फेमिना इंडिया को विशेष धन्यवाद देते हुए लिखा, 'धन्यवाद फेमिना इंडिया मुझे एंटरटेनमेंट में 'गेम चेंजर' अवॉर्ड देने के लिए। आशा है कि और भी महिलाएं खुद पर भरोसा करें और अपने तरीके से खेल बदलें। मानसी पारेख टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में आती हैं। उन्होंने एमटीवी के सीरियल 'कितनी मस्त है जिंदगी' से करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद अभिनेत्री कई टीवी सीरियलों में नजर आई थी। उन्होंने 'जिंदगी का हर रंग गुलाल', 'सुमित संभाल लेगा', 'कसौटी जिंदगी की', और 'सरस्वतीचंद्र' जैसे कई सीरियलों में काम किया। इसके बाद मानसी ने फिल्मों की ओर रुख किया और तमिल, गुजराती, और हिंदी फिल्मों में काम किया। उन्होंने कई गुजराती फिल्मों में अभिनय करने के साथ-साथ कुछ फिल्मों को प्रोड्यूस भी किया है।

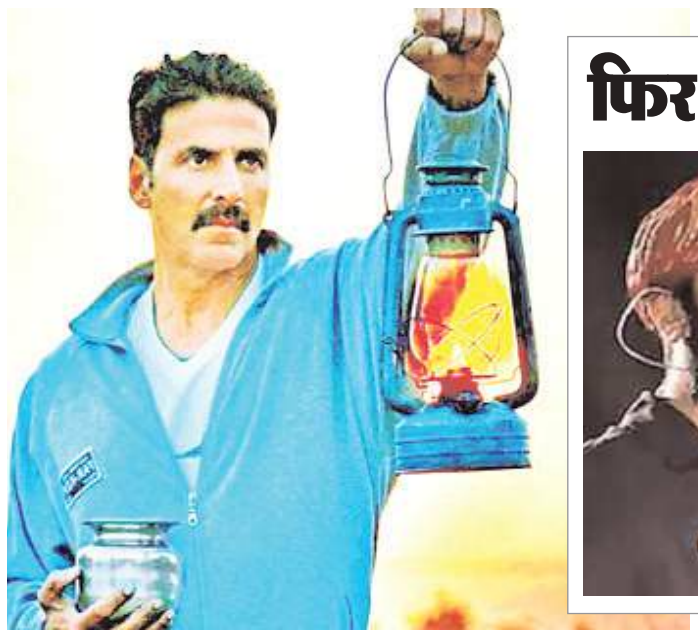

# फिर आया अरिजीत सिंह का नया गाना

## अक्षय कुमार ने कहा- थैंक्यू

**अक्षय** कुमार और वामिका गब्बी की अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' का नया गाना रिलीज हो चुका है, इस गाने का टाइटल 'तू ही दिसदा' है. इस गाने को अरिजीत सिंह और निकिता गांधी ने आवाज दी है. गाने के रिलीज होने के बाद लोगों ने इसको बहुत पसंद किया है.

अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' का नया गाना रिलीज हो गया है, इस गाने का फैंस इंतजार कर रहे थे, क्योंकि इस गाने को अरिजीत सिंह ने आवाज दी है. रिटायरमेंट की अनाउंसमेंट के बाद से सिंगर्स के गाने का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म के गाने की बात करें, तो रिलीज हुए गाने का टाइटल 'तू ही दिसदा' है. गाना रिलीज होने के चंद वक्त के बाद ही लोगों के बीच इस गाने को लेकर चर्चा होने लगी है. प्रियदर्शन की डायरेक्शन में बनी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर दर्शकों के बीच एक्साइटमेंट है. फिल्म में अक्षय कुमार और वामिका गब्बी लीड रोल में हैं.

# पैन इंडिया फिल्म में पवन सिंह की एंट्री

**भोजपुरी** सुपरस्टार पवन सिंह को अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की अपकमिंग पैन-इंडिया फिल्म 'डकैतः एक प्रेम कथा' में शामिल किया गया है। मेकर्स ने आधिकारिक पोस्टर के जरिए यह जानकारी दी। पवन सिंह फिल्म के गाने में अपनी आवाज देंगे। फिल्म के मेकर्स ने सोमवार को आधिकारिक पोस्टर जारी कर पवन सिंह की एंट्री कंफर्म की। पोस्टर के साथ बताया गया कि पवन सिंह फिल्म के हिंदी वर्जन में एक डांस नंबर गाएंगे। मेकर्स के अनुसार, फिल्म का गाना 'टच बेबी', 28 मार्च को रिलीज किया जाएगा। पोस्टर में दर्शकों को धमाकेदार गाने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। गौरतलब है कि पवन सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री के बड़े स्टार माने जाते हैं और उनकी मजबूत फैन फॉलोइंग है। उन्होंने फिल्म 'स्त्री 2' में गाना 'आई नहीं' गाया था, जिसके बाद हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उनकी मांग बढ़ी है। फिल्म डकैतः एक प्रेम कथा में अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर के अलावा अनुराग कश्यप एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगे।

# दुनिया के हालात पर बोले अक्षय , सोने से पहले देश और परिवार के लिए करें प्रार्थना

**आज** के समय में पूरी दुनिया कई तरह की चुनौतियों से गुजर रही है। कहीं युद्ध का माहौल है तो कहीं तनाव और असुरक्षा का डर है। ऐसे माहौल में आम लोगों से लेकर बड़े सितारे भी अपनी चिंता और भावना जाहिर करते नजर आ रहे हैं। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' के दौरान दुनिया के मौजूदा हालात पर खुलकर बात की और लोगों से कहा कि वे सोने से पहले देश और परिवार के लिए प्रार्थना जरूर करें। दरअसल, शो में मेहमान के तौर पर श्वेता जुमानी भी मौजूद थीं। बातचीत के दौरान दुनिया में चल रहे तनाव और युद्धों का जिक्र हुआ। इसी पर अक्षय कुमार ने अपनी राय रखते हुए कहा कि इस समय दुनिया में काफी परेशानियां हैं और कई जगहों पर युद्ध चल रहे हैं। ऐसे हालात का असर हर इंसान पर पड़ता है, चाहे वह किसी भी देश में क्यों न रहता हो। इस दौरान अक्षय कुमार ने लोगों से एक खास अपील भी की। उन्होंने कहा, ''जब भी आप रात को सोने जाएं, उससे पहले अपने परिवार और देश के लिए एक छोटी सी प्रार्थना करें, ताकि हम सब सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि यह छोटा सा कदम हमें अंदर से मजबूत बनाता है और सकारात्मक ऊर्जा देता है। ऐसे समय में एक-दूसरे के लिए दुआ करना बहुत जरूरी है, ताकि शांति बनी रहे।

इस बातचीत के दौरान श्वेता जुमानी ने भी अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा, 'मेरा विश्वास है कि भारत पर एक मजबूत आध्यात्मिक शक्ति का आशीर्वाद है, जो देश की रक्षा करती है। अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके साथ परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और वामिका गब्बी जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। दर्शक इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

# क्या प्रतिभा रांटा को डेट कर रहे रोहित सराफ?

## फैंस लगा रहे कयास; इस सीरीज में साथ में आएंगे नजर

**रोहित सराफ और प्रतिभा रांटा एक साथ स्पॉट होने के बाद चर्चा में हैं। हालांकि उन्होंने अपने रिश्ते को कोई नाम नहीं दिया है। जल्द ही वह एक सीरीज में एक-साथ नजर आने वाले हैं।**

अभिनेता रोहित सराफ इन दिनों अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के साथ रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। फिल्मफेयर के मुताबिक दोनों की आपस में अच्छी बनती है और वह अच्छे दोस्त हैं। दोनों को एक दूसरे का साथ पसंद आ रहा है। वे एक दूसरे के साथ अक्सर अच्छा वक्त बिताते हैं। उनके बीच अच्छा रिश्ता होने के बावजूद वह अपने रिश्ते को कोई नाम नहीं दे रहे हैं।

### रिश्ते को लेकर फैंस लगा रहे कयास

हाल ही में रोहित और प्रतिभा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वे एक पार्टी में निखिल आडवाणी के साथ डांस करते नजर आए। इसके बाद फैन्स पिछले कुछ समय से उनके बारे में तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। कई जगहों पर एक

साथ स्पॉट होने की वजह से दोनों चर्चा का विषय बने हुए हैं। दिलचस्प है कि न तो प्रतिभा रांटा और न ही रोहित सराफ ने अब तक अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है।

### इस सीरीज का होंगे हिस्सा

इस बीच खबर आ रही है कि रोहित और प्रतिभा सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' का हिस्सा होंगे। इसके निर्देशक निखिल आडवाणी हैं। इसकी कहानी एक किताब पर आधारित है।

इन दोनों कलाकारों के अलावा इसमें भुवन बाम, गुरफतेह पीरजादा और जेसन शाह होंगे। यह सीरीज इसी साल अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है।

# 'गलतफहमी दूर करें, किसी की भावनाओं को नहीं किया आहत', आर माधवन का 'धुरंधर 2' विवाद पर स्पष्टीकरण

**आदित्य** धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर 2' का धमाल जारी है। बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता के साथ ही फिल्म विवादों के घेरे में भी फंस गई। फिल्म पर एक सीन के जरिए सिख समुदाय की भावनाओं को आहत करने का आरोप है। इस बीच आर माधवन ने विवादित सीन पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि उन्होंने जानबूझकर किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाई। आर माधवन ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करते हुए सिख समुदाय से माफी मांगी और स्पष्ट किया कि यह एक गलतफहमी है। उन्होंने कहा कि फिल्म के एक सीन में उनके किरदार को गुरु गोविंद सिंह जी के दशम ग्रंथ की पंक्तियां बोलनी थीं। कुछ लोगों को लगा कि उस दृश्य में उन्होंने सिगरेट पीते हुए ये लाइनें बोलीं, जिससे उनकी भावनाएं आहत हुईं। उन्होंने कहा, 'मुझे याद है कि इस सीन के दौरान एडिटर और निर्देशक आदित्य धर ने मुझे साफ-साफ कहा था कि लाइन बोलने से बहुत पहले सिगरेट बुझा दीजिएगा। वह ऐसी बातों का खास तौर पर ध्यान रखते हैं। उन्होंने कहा था कि सिगरेट या धुआं एकदम नहीं दिखना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि न मेरे मुंह से धुआं निकलेगा, न ही फ्रेम में कहीं सिगरेट या धुआं दिखाई देगा। आर माधवन ने सिख समुदाय के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हुए कहा, 'मैंने बकायदा सिगरेट बुझा दी थी। अगर आप पूरा सीन देखेंगे तो आपको न मेरे मुंह से धुआं निकलता दिखेगा, न ही पूरे फ्रेम में कहीं सिगरेट का नामो-निशान है। हमारा कोई इरादा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था। पूरी सिख कम्युनिटी के साथ हम हैं और हमेशा रहेंगे। हम उनका बहुत आदर करते हैं। मैं हर फिल्म की रिलीज से पहले गोल्डन टेम्पल जाता हूं, यह सबको पता है।

# मियामी ओपन 2026: यानिक सिनर ने ज्वेरेव को हराकर फाइनल में बनाई जगह, लेहेका से होगी भिड़ंत

**एजेंसी**

**मियामी :** मियामी ओपन 2026 में दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर फाइनल में जगह बना ली है। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका से होगा। 24 वर्षीय सिनर ने सेमीफाइनल में ज्वेरेव को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया। यह ज्वेरेव के खिलाफ उनकी लगातार सातवीं जीत रही। इसके साथ ही सिनर ने मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार जीते गए सेट्स की संख्या 32 तक पहुंचा दी। विंबलडन

चैंपियन सिनर इससे पहले इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में भी ज्वेरेव को हरा चुके हैं और अब वह तीन साल में अपना दूसरा मियामी ओपन खिताब जीतने के करीब हैं। वह 2017 में रोजर फेडरर के बाद ह्यसनशाइन डबलह्न (इंडियन वेल्स और मियामी दोनों खिताब) हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं। दूसरी ओर, 21वीं वरीयता प्राप्त लेहेका ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। लेहेका ने पूरे टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है और यह उनका पहला एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल होगा। हालांकि, लेहेका का रिकॉर्ड सिनर के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। दोनों के बीच अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में सिनर ने जीत दर्ज की है और लेहेका एक भी सेट नहीं जीत सके हैं। महिला वर्ग में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका भी ह्यसनशाइन डबलह्न पूरा करने की कोशिश में हैं। वह फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ के खिलाफ अपने खिताब का बचाव करेंगी। लेहेका ने मैच के बाद कहा कि वह इस प्रदर्शन से बेहद खुश हैं और पूरे सीजन की मेहनत का नतीजा अब देखने को मिल रहा है। वह अपने करियर के तीसरे एटीपी खिताब की तलाश में हैं।

### बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आज आईपीएल का उद्घाटन मुकाबला, सुरक्षा का कड़ा इंतजाम

बेंगलुरु : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उद्घाटन मुकाबले के लिए बेंगलुरु एम. चिन्नस्वामी स्टेडियम पूरी तरह तैयार है। पिछले वर्ष हुई भगदड़ से सबक लेते हुए इस बार किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस ने कड़े इंतजाम किए हैं। पुलिस आयुक्त सीमंत कुमार सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। मैच को देखते हुए स्टेडियम के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। बेंगलुरु सिटी पुलिस ने करीब 2,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। पश्चिमी जोन के संयुक्त पुलिस आयुक्त वंशीकृष्ण को सुरक्षा कमान सौंपी गई है। कुल सात विशेष दस्ता बनाए गए हैं। दोपहर से ही पुलिस जवान ड्यूटी संभाल लेंगे। इस बार आईपीएल टूर्नामेंट दो महीने से अधिक समय तक चलेगा। 24 मई तक लीग चरण के मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि 31 मई को फाइनल मैच होगा।

# ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

**एजेंसी**

**सेंट किट्स :** सेंट किट्स के बासेटेरे में शुक्रवार रात खेले गए पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। नई कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स के नेतृत्व में टीम ने शानदार जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 341 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। टीम की शुरूआत मजबूत रही और ओपनिंग जोड़ी ने 75 रन जोड़े। जॉर्जिया वोल ने 32 गेंदों में 42 रन बनाए, जबकि फोएबे लिचफील्ड ने 72 गेंदों पर 77 रनों की अहम पारी खेली। एलिस पेरी ने 46 गेंदों में 44 रन बनाकर टीम को मजबूती दी। मध्यक्रम में कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने 47 रन बनाए और निकोला कैरी (49) के साथ 91 रनों की साझेदारी की। अंत में जॉर्जिया वेयरहैम ने 42 रन बनाकर टीम को 300 के पार पहुंचाया। वेस्टइंडीज की ओर से अफी फ्लेचर ने 3 विकेट लिए, लेकिन काफी महंगे साबित हुईं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरूआत खराब रही और टीम ने जल्दी विकेट गंवा दिए, जिसमें कप्तान हेले मैथ्यूज का विकेट भी शामिल था। अनुभवी बल्लेबाज स्टेफनी टेलर ने शानदार नाबाद 105 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की, जो उनका 2021 के बाद पहला वनडे शतक था, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। चिनेल हेनरी ने 38 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से किम गर्थ ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके, जबकि एश्ले गार्डनर ने भी अहम योगदान दिया। अंततः वेस्टइंडीज की टीम 238/8 तक ही पहुंच सकी और मुकाबला गंवा बैठी। ऑस्ट्रेलिया झ 341 ऑल आउट (फोएबे लिचफील्ड 77, अफी फ्लेचर 3/83)।

वेस्टइंडीज झ 238/8 (स्टेफनी टेलर 105*, किम गर्थ 3/37)

ऑस्ट्रेलिया 103 रन से विजेता।

# निर्वाचन आयोग ने पुलिस को दस दिनों में सभी लंबित गैर-जमानती वारंटों को निष्पादित करने का दिया निर्देश

एजेंसी

**कोलकाता :** विधानसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल पुलिस और कोलकाता पुलिस को राज्य में लंबित सभी गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंटों को अगले दस दिनों के भीतर निष्पादित करने का निर्देश दिया है। आयोग ने यह भी कहा है कि जिन लोगों के खिलाफ ऐसे वारंट जारी हैं, उन्हें इस अवधि के भीतर गिरफ्तार किया जाए। इसके साथ ही आयोग ने राज्य और महानगर पुलिस को पिछले चुनावों से जुड़े सभी लंबित चुनाव संबंधी आपराधिक मामलों का भी जल्द निपटारा करने को कहा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, पश्चिम बंगाल कार्यालय सूत्रों के अनुसार आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद राज्य सरकार के सभी कर्मचारी निर्वाचन आयोग के अधीन प्रतिनियुक्ति पर माने जाते हैं। ऐसे में कर्तव्य में किसी

प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर आयोग उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकता है। लंबित गैर-जमानती वारंटों के निष्पादन को लेकर आयोग ने उपमंडल पुलिस पदाधिकारियों और पुलिस उपाधीक्षकों को निर्देश दिया है कि वे फरार अपराधियों की सूची तत्काल तैयार करें और उन्हें पकड़ने के लिए विशेष छापेमारी तथा तलाशी अभियान चलाएं।

थाना प्रभारियों और निरीक्षक प्रभारियों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में अपराध संभावित संवेदनशील इलाकों की पहचान करने तथा चुनावी हिंसा में शामिल रहे असामाजिक और हिस्ट्रीशीटर तत्वों को चिन्हित करने का निर्देश दिया गया है।

आयोग ने यह भी कहा है कि सभी राजनीतिक दलों के चुनाव प्रचार कार्यक्रमों को बिना किसी भेदभाव के सुरक्षा प्रदान की जाए तथा चुनावी कार्यों में लगे कर्मियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाए। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होने हैं। पहले चरण में 152 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होगा, जबकि दूसरे चरण में शेष 142 सीटों पर मतदान कराया जाएगा। मतगणना चार मई को होगी।

## पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त भाजपा के 9 कार्यकर्ता छह वर्ष के लिए निलंबित

**गुवाहाटी :** असम प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया ने पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल नौ कार्यकताओं को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से अगले छह वर्षों के लिए निलंबित कर दिया है। प्रदेश महासचिव अनुप बर्मन के द्वारा हस्ताक्षरित एक आदेश में बताया गया है कि असम विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर असम प्रदेश भाजपा द्वारा मनोनित उम्मीदवार के विरूद्ध चुनाव मैदान में उतरने वाले कार्यकताओं के विरूद्ध पार्टी के संविधान की धारा श-9 के अनुसार असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक छह वर्ष से लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। निलंबित भाजपा कार्यकताओं में बरपेटा विधानसभा क्षेत्र से उद्धव दास, दिसपुर विधानसभा क्षेत्र से जयंत कुमार दास, कलियाबर विधानसभा क्षेत्र से जितेंद्रजित गौर, बरखला विधानसभा क्षेत्र सेअमरेन्दु दास, ग्वालपारा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से धनजित राभा, बंगाईगांव विधानसभा क्षेत्र से चक्रधर दास, बरपेटा विधानसभा क्षेत्र से गगन चंद्र हालोई, कमलपुर विधानसभा क्षेत्र से से अंकुल दास और लामडिंग विधानसभा क्षेत्र से यशोदा दुलाल (श्यामल) रक्षित शामिल हैं।

# रामनवमी जुलूस के दौरान मुर्शिदाबाद में हिंसा को लेकर भाजपा का राज्य सरकार पर निशाना

एजेंसी

**कोलकाता :** पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर क्षेत्र में रामनवमी के अवसर पर निकाले गए जुलूस के दौरान हुई हिंसा को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी के सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने इस घटना को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। अमित मालवीय ने एक्स पोस्ट में दावा किया कि जंगीपुर स्थित मुर्शिदाबाद जिले में हिंसा की घटना रामनवमी जुलूस के दौरान हुई। उन्होंने यह भी कहा कि इस जिले में मुस्लिम आबादी 70 प्रतिशत से अधिक है। भाजपा

नेता ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में राज्य के कई सीमावर्ती जिलों की स्थिति ऐसी हो गई है जहां हिंदू समुदाय खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर नहीं होती है तो भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है जब बंगाल के हिंदुओं को नया ठिकाना तलाशना पड़े। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को पश्चिम बंगाल के इस्लामी कारण के के अपने उद्देश्य में सफल नहीं होने दिया जाएगा और पश्चिम बंगाल की गौरवशाली विरासत को कमजोर करने की किसी भी कोशिश का विरोध किया जाएगा। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

# ग्वालियर: ऊर्जा मंत्री तोमर आज करेंगे 1.82 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन

एजेंसी

**ग्वालियर :** मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर आज शनिवार को उप नगर ग्वालियर में मूर्तरूप लेने जा रहे 1.82 करोड़ से अधिक राशि की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी हितेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि मंत्री तोमर प्रातः 11 बजे उपनगर ग्वालियर के अंतर्गत जिन विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे, उनमें 6 लाख 30 हजार 947 रुपये की लागत से निर्मित होने वाले नवीन नाला निर्माण कार्य, 11 लाख 62 हजार 929 रुपये की लागत से बनने जा रही सीमेंट कांक्रीट रोड व नाली निर्माण कार्य, गली में 26 लाख

34 हजार 486 रुपये की लागत से सीमेंट रोड एवं नाली निर्माण कार्य, पप्पू रजक वाली गली में सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण कार्य, कुशवाह मोहल्ले में सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण कार्य, डुढैल वाली माता मंदिर के पास 5 लाख 09 हजार 264 रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, हीरा भूमिया प्रांगण में 9 लाख 39 हजार 693 रुपये की लागत से हॉल निर्माण कार्य, श्री पंचमुखी महादेव मंदिर के पास 6 लाख 52 हजार 332 रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, जगनापुरा नं 01 में 4 लाख 85 हजार 260 रुपये की लागत से सीमेंट कांक्रीट रोड व नाली निर्माण कार्य का, वार्ड क्रमांक 06 में 9 लाख 39 हजार 693 की लागत से सत्यनारायण के चबूतरे पर सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, वार्ड क्रमांक 06 जहांगीर कटरा में 7 लाख 42 हजार 222 रुपये की लागत से उचाडिया बाबा मंदिर के पास निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन शामिल हैं।

# राजस्थान में आज सक्रिय होगा नया सिस्टम, बारिश–ओलावृष्टि की चेतावनी

एजेंसी

**जयपुर :** प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार से राजस्थान में नया मौसमी तंत्र सक्रिय होगा, जिसका असर लगभग सभी जिलों में देखने को मिलेगा। आने वाले कुछ दिनों में प्रदेशभर में बादल छाने के साथ बारिश, तेज आंधी और कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने 28 मार्च को सात जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने विशेष रूप से किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि आगामी दिनों में मौसम की गतिविधियां तेज हो सकती हैं। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहा। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर और बीकानेर सहित कई शहरों में दिनभर तेज धूप रही, जिससे हल्की गर्मी का एहसास हुआ। शुक्रवार को सबसे अधिक तापमान कोटा में 37.2 डिग्री सेल्सियस मापा गया, जबकि जयपुर में भी साफ आसमान और तेज धूप के कारण गर्मी महसूस की गई। मौसम विभाग ने 28 मार्च से एक अप्रैल तक राज्य के कई हिस्सों में रुक-रुक कर बारिश, तेज आंधी और ओलावृष्टि की संभावना जताई है। ऐसे में किसानों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

### मध्य प्रदेश में 29 मार्च से एक्टिव होगा मौसम का नया सिस्टम, 40 जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश का अलर्ट

**भोपाल :**मध्य प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। 29 मार्च से प्रदेश में आंधी और बारिश का मजबूत सिस्टम सक्रिय होगा, जिसका असर करीब तीन दिनों तक बना रहेगा। इस दौरान भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर सहित लगभग 40 जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है।मौसम विभाग के अनुसार, इस सिस्टम के दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। हालांकि 28 मार्च को प्रदेश में गर्मी का असर बना रहेगा। नर्मदापुरम में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है और लू जैसे हालात देखने को मिल रहे हैं। वहीं, शुक्रवार को साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ के असर से ग्वालियर, चंबल, रीवा, सागर और जबलपुर संभाग के कई जिलों में बादल छाए रहे। हालांकि यह सिस्टम आज शनिवार को कमजोर हो जाएगा, जिससे तापमान में बढ़ोतरी होगी। इसके बाद 29 मार्च से नया सिस्टम एक्टिव होगा, जिसका असर 30 और 31 मार्च को सबसे ज्यादा रहेगा।

**40 जिलों में बारिश की संभावना :** मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि 31 मार्च तक भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग के करीब 40 जिलों में बारिश हो सकती है। 29 मार्च को हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं, जबकि 30 और 31 मार्च को तेज बारिश होने की संभावना है।

**कई जिलों में बढ़ा तापमान :** नर्मदापुरम में मार्च के दौरान चौथी बार लू चली है। लगातार गर्म हवाओं के कारण तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। खजुराहो में 39.6 डिग्री, रतलाम और मंडला में 39.5 डिग्री, खंडवा में 39.1 डिग्री, खरगोन में 38.5 डिग्री, रायसेन में 38.4 डिग्री और सिवनी-सागर में 38.2 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश के प्रमुख शहरों में जबलपुर सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 38.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में तापमान 37 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि ग्वालियर में 36.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

**मार्च में तीसरी बार बदलेगा मौसम :** मार्च महीने में अब तक आंधी-बारिश के दो दौर आ चुके हैं, जिनमें 45 से अधिक जिलों में प्रभाव देखा गया और 17 जिलों में ओले भी गिरे। अब तीसरा दौर 29 मार्च से शुरू होकर 30 मार्च तक जारी रहने की संभावना है। हालांकि 27 मार्च को भी मौसम में बदलाव देखा गया था।

# मणिपुर के अलग-अलग हिस्सों से आठ उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी

**इंफाल :** मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों के विरूद्ध जारी अभियानों में सुरक्षा बलों को लगातार सफलता मिल रही है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज दी गयी आधिकारिक सूचना के अनुसार राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बीते 24 घंटे के दौरान विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के कुल आठ कैडरों को गिरफ्तार किया गया है। पहले अभियान में सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को प्रतिबंधित संगठन यूएनएलएफ (पी) के एक सक्रिय कैडर थोंगबम प्रेमजीत सिंह (49) को गिरफ्तार किया गया है। वह पश्चिम इंफाल जिले के थांगमेइबंद काबराबम लेइकाई का रहने वाला है। उसे उसके घर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित 2022 की शुरूआत में सगोलबंद ताखेलंबम लेइकाई में हुए एक बम धमाके के संबंध में इंफाल थाने में दर्ज एक प्राथमिकी के मामले में आरोपित है। उसके पास से एक मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड जब्त किया गया। दूसरे अभियान में इसी सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन आरपीएफ/पीएलए के एक सक्रिय कैडर चिंगाखाम नोंगपोकंगनबा मैतेई (21) को, जो इंफाल पूर्व जिले के लामलाई थानांतर्गत ताखेल अवांग लेइकाई का रहने वाला है, को उसके इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। तीसरे अभियान में सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह थानांतर्गत अंतरराष्ट्रीय सीमा पोस्ट 73 और 74 के बीच से प्रतिबंधित संगठन केसीपी और केवाईकेएल के एक-एक कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार कैडरों की पहचान केसीपी कैडर अंगोम लेम्बा मैतेई उर्फ लिकलाईंगम्बा (26) के रूप में की गयी है। वह, इंफाल पूर्व जिला के टॉप मोइरांग काम्पू का निवासी बताया गया है। उसकी केवाईकेएल कैडर युमनाम बोनी मैतेई उर्फ यैताम्बा (42) के रूप में पहचान हुई है। वह इंफाल पश्चिम जिला के काचिखुन का निवासी है। इसी कड़ी में बीते गुरुवार को सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह थानांतर्गत अंतरराष्ट्रीय सीमा पोस्ट 78 और 79 के बीच से प्रतिबंधित संगठन पीएलए के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया।

# शिमला में मिले पेड़ जैसे पत्थर को भूविज्ञान शोधार्थियों ने माना जीवाश्म, 2019 में हुई थी इसकी पहचान

एजेंसी

**शिमला :** शिमला ज़िले के ऊपरी इलाके जुब्बल के पास स्थित खड़ापत्थर में मिले पेड़ जैसी आकृति वाले पत्थर को पंजाब विश्वविद्यालय के भूविज्ञान के शोधार्थियों ने अध्ययन के बाद जीवाश्मों का समूह माना है। विशेषज्ञों के अनुसार यह संरचना करीब 25 करोड़ साल पुरानी हो सकती है और उस दौर से जुड़ी है जब धरती पर डायनासोरों का अस्तित्व था और हिमालय का निर्माण अभी प्रारंभिक अवस्था में था। यह संरचना पहली बार वर्ष

2019 में वन विभाग रोहडू की टीम की नजर में आई थी। क्षेत्र के दौरे के दौरान अधिकारियों को पहाड़ी ढलान पर पेड़ जैसी आकृति वाला विशाल पत्थर दिखाई दिया। करीब से निरीक्षण करने पर इसकी बनावट सामान्य चट्टानों से अलग लगी, जिसके बाद इसकी तस्वीरें हिमाचल प्रदेश राज्य संग्रहालय शिमला भेजी गईं। बाद में संग्रहालय के क्यूरेटर डॉ. हरि सिंह चौहान स्वयं मौके पर पहुंचे और इसका निरीक्षण किया। राज्य संग्रहालय शिमला के क्यूरेटर डॉ. हरि सिंह चौहान ने बातचीत में बताया कि प्राथमिक अध्ययन में यह संरचना मध्यजीवी (मेसोजोइक) काल की प्रतीत होती है और इसकी उम्र लगभग 25 करोड़ साल आंकी गई है। उन्होंने बताया कि इस जीवाश्म की आकृति एक बड़े पेड़ जैसी दिखाई देती है और इसका आकार भी काफी बड़ा है। यह लगभग 12 फीट लंबा और करीब 8 फीट चौड़ा बताया गया है। डॉ. चौहान ने कहा कि इस संरचना का अध्ययन पंजाब विश्वविद्यालय के भूविज्ञान के शोधार्थियों से भी करवाया गया है। उनके अध्ययन में भी यह निष्कर्ष सामने आया कि यह केवल एक संरचना नहीं बल्कि जीवाश्मों का समूह है, जो उस समय के प्राकृतिक वातावरण और भूगर्भीय परिस्थितियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देता है। उन्होंने बताया कि ऐसे जीवाश्म इस बात के संकेत देते हैं कि करोड़ों साल पहले इस क्षेत्र की जलवायु और भू-आकृतिक स्थिति आज से बिल्कुल अलग रही होगी। उस समय हिमालय पर्वतमाला का वर्तमान स्वरूप अस्तित्व में नहीं आया था और इस क्षेत्र में चट्टानों का निर्माण जारी था। इस तरह के जीवाश्म उस समय के वनस्पति जीवन और पर्यावरण को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह संरचना संभवतः ह्लपेट्रीफाइड वुडह्व यानी पत्थर में बदल चुकी प्राचीन लकड़ी का हिस्सा है। लाखों-करोड़ों साल पहले प्राकृतिक प्रक्रियाओं के दौरान दबे पेड़ों की लकड़ी में खनिजों का प्रवेश हो जाता है और धीरे-धीरे हवा के दवाब से वह पत्थर जैसी संरचना में बदल जाती है, जबकि उसका आकार और बनावट सुरक्षित रहती है।

## न्यूज IN ब्रीफ

### नेपाल: ओली की गिरफ्तारी बदले की कार्रवाई नहीं, न्याय की शुरूआत है: गृहमंत्री सुदन

**काठमांडू :** नेपाल के गृहमंत्री सुदन गुरुङ ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक की गिरफ्तारी बदले की कार्रवाई नहीं है। सुदन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि यह कदम न्याय की शुरूआत का संकेत है। उन्होंने लिखा, ह्लकानून से ऊपर कोई नहीं है। हमने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को हिरासत में लिया है। यह किसी के खिलाफ बदले की भावना नहीं है, बल्कि न्याय की शुरूआत है।ह्व उल्लेखनीय है कि ओली और लेखक को आज सुबह पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। । उनके खिलाफ जेन जी प्रदर्शन के दौरान निहत्थे प्रदर्शनकारी छात्रों पर गोली चलाने का आदेश देने का आरोप है।

### गुंडा एक्ट की बड़ी कार्रवाई, नौ आरोपित जिला बदर, 5 को राहत

**हल्द्वानी :** नैनीताल जनपद में कानून-व्यवस्था को सख्त बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने एक अहम कदम उठाया है। जिला मजिस्ट्रेट ललित मोहन रयाल ने आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए नौ आरोपितों को ह्लगुंडाह्व घोषित करते हुए छह माह के लिए जनपद की सीमा से बाहर (जिला बदर) करने का आदेश जारी किया है। प्रशासनिक आदेश के अनुसार जिन आरोपितों को जिला बदर किया गया है, उनमें राहुल पुत्र रमेश (बंबाघेर, थाना रामनगर) झ जुआ अधिनियम के 7 व गैंगस्टर एक्ट का 1 मुकदमा, संजय आर्य पुत्र रमेश चंद्र (बागजाला, थाना काठगोदाम) झ आबकारी, एनडीपीएस व आईपीसी के 13 मुकदमे, अनुज राज सिंह पुत्र रमेश सिंह (चोरपानी, थाना रामनगर) झ आईपीसी के 4 व शस्त्र अधिनियम का 1 मुकदमा, शाहिद पुत्र मोहम्मद रफी (खताड़ी, रामनगर) आईपीसी के 4 मुकदमे,सलमान पुत्र रईस अहमद (थाना बनभूलपुरा) झ आर्म्स एक्ट, आईपीसी व एनडीपीएस के विभिन्न मुकदमे, मोहसिन पुत्र नासिर (पप्पू का बगीचा, बनभूलपुरा) एनडीपीएस के कई मुकदमे, शादाब पुत्र सज्जाद (थाना बनभूलपुरा) आर्म्स एक्ट व आईपीसी के 7 मुकदमे, प्रदीप सागर अमन पुत्र पूरनचंद सागर (लामाचौड़, थाना मुखानी) झ एनडीपीएस, आबकारी व आईपीसी के 9 मुकदमे शामिल हैं।प्रशासन के अनुसार इन सभी व्यक्तियों का आपराधिक इतिहास गंभीर है और इनकी गतिविधियां क्षेत्र में भय एवं असुरक्षा का माहौल पैदा कर रही थीं। इसी आधार पर इन्हें छह महीने के लिए जनपद नैनीताल की सीमाओं से बाहर रहने के आदेश दिए गए हैं। जांच के दौरान वर्तमान गतिविधियों में सुधार पाए जाने पर प्रशासन ने कुछ आरोपितों को राहत भी दी है। इनमें शनि बाबू पुत्र राम सुरेश बाबू (निर्मल कॉलोनी, लालकुआं), संजय बिनवाल पुत्र कुंदन सिंह (राजीव नगर, थाना लालकुआं), हिमांशु शाही पुत्र गौरव शाही (दुगई स्टेट, थाना भवाली), कौशल चिलवाल पुत्र राजेंद्र चिलवाल (इंदिरा कॉलोनी, रामनगर) आईपीसी के 5 मुकदमे,सूरज कुमार पुत्र कालूराम (देवलचौड़),मोहम्मद आबिद पुत्र शब्बीर (थाना कालाढूंगी) शामिल हैं। इन सभी के विरुद्ध चल रहे गुंडा एक्ट के नोटिस को निरस्त कर दिया गया है।

### मणिपुर: भारी मात्रा में हथियार बरामद, तीन बंकर ध्वस्त

**इंफाल :** मणिपुर में शांति व्यवस्था को बहाल रखने के लिए सुरक्षा बल एवं पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चलाते हुए हथियारों की बरामदगी का सिलसिला जारी है। वहीं संवेदनशील इलाकों में वाहनों की स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए भी अभियान चलाया जा रहा है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय की ओर से आज दी गयी आधिकारिक जानकारी के शुक्रवार को सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के पटसोई थानांतर्गत मोइदांगपोक खुनौ इलाके से भारी मात्रा में हथियार एवं विस्फोटक सामग्री बरामद किया। बरामद सामग्रियों में मुख्य रूप से तीन स्थानीय रूप से निर्मित बोल्ट एक्शन सिंगल बैरल बंदूकें, दो पिस्तौलें, जिनमें से प्रत्येक के साथ एक मैगजीन, एक 2-इंच का मोर्टार, चार दंगा-रोधी 38 एमएम कारतूस, पांच राउंड 7.62 एमएम के कारतूस, एक बीपी वेस्ट, एक हरी बेल्ट और दो बैग शामिल हैं। वहीं एक अन्य अभियान में इसी दिन सुरक्षा बलों ने उखरुल जिले के लिटान थानांतर्गत थोयी नागा गांव में तीन बंकरों को नष्ट कर दिया।

उल्लेखनीय है कि सुरक्षा बल विभिन्न जिलों के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र पर अपना दबदबा बनाए रखने के अभियान लगातार चला रहे हैं। जिसके परिणामस्वरूप हथियार और गोला-बारूद बरामद हो रहे हैं। इसी कड़ी में बीते शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर जरूरी सामान ले जाने वाले 241 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। सभी संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और संवेदनशील रास्तों पर सुरक्षा काफिला मुहैया कराया गया है, ताकि वाहनों की आवाजाही बिना किसी रुकावट के और सुरक्षित रूप से हो सके। मणिपुर के अलग-अलग जिलों में, पहाड़ों और घाटियों दोनों में, कुल 114 नाके एवं चेक पॉइंट लगाए गए थे; हालांकि, किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया।

### स्कूल शिक्षा प्राध्यापक एवं कोच प्रतियोगी परीक्षा: गणित तथा संस्कृत की मुख्य सूची जारी

**जयपुर :** राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा प्राध्यापक एवं कोच (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन उपरांत गणित तथा संस्कृत विषय की मुख्य सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त विषयों की विचारित सूची में अस्थाई रूप से सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्य संबंधित विभाग द्वारा किया गया। पात्रता जांच उपरांत गणित विषय के विज्ञापित पदों के विरुद्ध 153 तथा संस्कृत विषय के विज्ञापित पदों के विरुद्ध 63 अभ्यर्थियों को मुख्य सूची में सफल घोषित किया गया है।

### हिमाचल में तीन अप्रैल तक मौसम खराब, आंधी-बिजली का येलो अलर्ट

**शिमला :** हिमाचल प्रदेश में 3 अप्रैल तक मौसम खराब रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी-बिजली के साथ बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कई जगह 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। इससे जनजीवन और फसलों पर असर पड़ सकता है। शनिवार सुबह शिमला और मनाली सहित ऊंचाई वाले इलाकों में बादल छाए रहे, जबकि निचले क्षेत्रों में कहीं-कहीं धूप भी निकली। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अप्रैल के पहले सप्ताह में भी बादलों की आवाजाही जारी रहेगी और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार आज प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है। 29 और 30 मार्च को भी अलग-अलग स्थानों पर आंधी-बिजली के साथ 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। 31 मार्च और 1 अप्रैल को भी कुछ स्थानों पर बारिश के आसार हैं। लेकिन कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। 2 और 3 अप्रैल को एक बार फिर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में गरज-चमक, तेज हवाओं और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है।

धूमधाम से मनाई गई रामनवमी

# सुरक्षा के अभेद्य किले के बीच निकली भव्य शोभा यात्रा

▸ डीसी-एसपी ने खुद संभाली कमान ▸ झांकियों और डीजे की रही धूम ▸ मेरठ, उत्तरप्रदेश की कसाना डीजे और अमर डीजे बनी आकर्षण का केंद्र

संवाददाता

**चतरा :** धार्मिक नगरी चतरा में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्मोत्सव 'रामनवमी' पूरे हर्षोल्लास और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया गया। जिले भर में जय श्रीराम के जयकारों के बीच भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। नवमी को लेकर सुबह से ही पूजा का दौर शुरू हो गया, जो देर शाम तक चला। रामनवमी के मौके पर शहर के 27 पूजा समितियों व अखाड़ों के द्वारा झांकियों निकाली गई। इन झांकियां का प्रदर्शन शनिवार की दोपहर तक जारी रहा। झांकियों के साथ अखाड़ों के सदस्यों के द्वारा अस्त्र-शस्त्र का भी प्रदर्शन किया गया। झांकियों को देखने के लिए शहर के अलावा आसपास के गांवों से हजारों संख्या में लोग शामिल हुए। जहां अखाड़ों में भगवान श्रीराम की पूजा की गई। वहीं लोगों ने अपने-अपने घरों में भी महावीरी पताका लगाकर भगवान श्रीराम की अराधना की। सभी जगह हो रहे भगवान श्रीराम के जयकारे से माहौल राममय हो गया। शहर से लेकर गांव तक श्रद्धालु श्रीराम की भक्ति में डूबे रहे।सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए जिले के आला अधिकारी खुद सड़कों पर तैनात नजर आए। स्वर्णकार संघ द्वारा चांदी के झंडे के साथ निकाला गया जुलूस।

**कई मठ मंदिरों व देवताओं का स्वरूप झांकियों में दिखा :** रामनवमी जुलूस में इस बार पूजा समितियों के द्वारा कई आकर्षक मठ मंदिर के साथ साथ देवी देवताओं का स्वरूप झांकी में दिखाया जा रहा है। स्नेही क्लब लाइन मोहल्ला के द्वारा झांकी में भगवान श्रीराम का भव्य रुप की प्रतिमा झांकी में शामिल किया गया। न्यू भारत क्लब की झांकी में सूर्य भगवान आठ घोड़ों के साथ रथ को खिंचते दिखाई पड़े। न्यू यंग क्लब नगवां में भगवान श्री हनुमान का भव्य रुप का प्रारूप तैयार किया गया। त्रिशूल क्लब की झांकी में भगवान शिव गुफा मे साधना करते बनाए गए हैं। इस महा जुलूस में अव्वल मोहल्ला, काली मंदिर, गुदरी बाजार, धनगरटोली, केशरी चौक और दिभा सहित कई अन्य अखाड़ों के हजारों श्रद्धालु शामिल हुए।

इसके अलावा उत्तरप्रदेश के मेरठ के दो डीजे भी आकर्षण का केंद्र रहे। खासकर नवयुवक संघ दिभा द्वारा मेरठ से मंगवाया गया कसाना डीजे युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय रहा। महाष्टमी को निकाले गए जुलूस में कसाना डीजे ने समां बांध दिया। डीजे की म्यूजिक सुनने के लिए दो किलोमीटर तक की लाइन तक लग गई। जिससे पूरी सड़क में जाम की स्थिति बन गई।

जिला प्रशासन ने बनाया चुस्त दुरुस्त व्यवस्था,पूरा शहर रहा छावनी में तब्दील

केशरी चौक पर स्थापित जिला प्रशासन के स्टेज पर रामनवमी जुलूस में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर चतरा उपायुक्त कृतिश्री जी,पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल, एसडीपीओ संदीप सुमन, चतरा के अंचलाधिकारी अनिल कुमार समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। इस बीच चतरा के विधायक जनार्दन पासवान और रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष कन्हाई पांडे भी स्टेज पहुंचे। चुस्त दुरुस्त शांति व्यवस्था को लेकर उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक गंभीर दिखे। किसी भी अप्रिय वारदात से निपटने के लिए सभी पूजा पंडालों और मार्गों में मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई गई थी।

पूरी रात चतरा की सड़कें केसरिया झंडों और भक्ति गीतों से सराबोर रहीं। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। चतरा उपायुक्त कृतिश्री और एसपी सुमित अग्रवाल ने खुद संवेदनशील इलाकों का मुआयना किया और सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाली।मौके पर एसडीओ जहूर आलम, सदर बीडीओ, सीओ और सदर थाना प्रभारी अवधेश सिंह दल-बल के साथ मौजूद रहे। अधिकारियों ने रूट चार्ट का निरीक्षण किया और ऑन-ड्यूटी पुलिसकर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। प्रशासन की इस सक्रियता और आम जनता के सहयोग से रामनवमी का यह महापर्व चतरा की एकता और अखंडता की एक नई मिसाल पेश कर गया।

रामनवमी पर महिला सशक्तिकरण का अद्भुत नजारा

## आर्य कन्या गुरुकुल की ब्रह्मचारिणियों ने दिखाया दमखम

संवाददाता

**हजारीबाग:** जिले में महिला सशक्तिकरण का अद्भुत नजारा रामनवमी के दौरान देखने को मिला। हाथ में तलवार डंडे और परंपरागत हथियार के साथ बेटियां, महिलाएं सड़क पर उतरी और एक से बढ़कर एक कर्तव्य दिखाया। आर्य समाज द्वारा संचालित आर्ष कन्या गुरुकूल की ओर से नवमी का शौर्य शोभायात्रा निकाला गया।

इस दौरान आर्य कन्या गुरुकूल की ब्रह्मचारी और ब्रह्मचारिणियों ने शानदार तलवार बाजी, लाठी और अन्य साहसिक खेलों का प्रदर्शन कर लोगों को दांतों तले उंगलियां दबाने को मजबूर कर दिया। लाठी के साथ-साथ बालक और बालिकाओं का बैंड दस्ता भी चल रहा था। गुरुकुल के बच्चों ने इस दौरान मुख्य सड़क पर जमकर लाठियां भांजी। जुलूस में रथ, ऊंठ घोड़े शामिल किए गए। रथ पर आर्य समाज के प्रतिनिधि सवार थे। इस आयोजन के पीछे का मकसद यही है कि समाज को यह संदेश देना कि बेटियां भी बेटों से काम नहीं है। जब बेटे रामनवमी में तलवार और लाठी भांज सकती हैं तो बेटियां भी इसे पीछे नहीं रह सकती है। गुरुकुल के आचार्य ने भी कहा कि हर बेटी को रानी लक्ष्मीबाई बनने की जरूरत है।

बेटियां तैयार हो

आर्य कन्या गुरुकुल में पिछली एक माह से रामनवमी को लेकर तैयारी चल रही थी। गुरुकुल की छोटी-छोटी बच्चियों को परंपरागत हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा था। प्रशिक्षण पूरा होने पर जब ब्रह्मचारिणियों ने सड़क पर अपना प्रदर्शन दिखाया तो सभी चकित रह गए।

जुलूस में नगर निगम के मेयर अरविंद कुमार शामिल हुए। उन्होंने समस्त हजारीबाग वासियों को रामनवमी की ढेर सारी शुभकामनाएं दी है। साथ ही कहा कि गुरुकुल की बच्चियों कमाल कर दी है। हाथों में लाठी और तलवार के साथ जब वह सड़क पर शौर्य प्रदर्शन कर रही है तो ऐसा लग रहा है कि उनमें आत्मविश्वास कूट-कूट कर भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह बेटियां सिर्फ तलवार ही नहीं चलाती है, जब यह वेद और उपन्यास का उच्चारण करती है तो हर एक व्यक्ति मंत्र मुक्त हो जाता है।

## आठवीं अनुसूची में शामिल हो कुड़माली भाषा, लागू हो भाषा कोड : चंद्र प्रकाश चौधरी

गिरिडीह सांसद ने लोकसभा में शून्यकाल के माध्यम से उठाई मांग, कहा- भाषा के सम्मान व संरक्षण के लिए जरूरी

संवाददाता

**रांचीः** गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने लोकसभा में कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने और इसे भाषा कोड देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऐसा होने पर ही इस भाषा को उचित सम्मान और संरक्षण मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक भाषा की मांग नहीं बल्कि यह लाखों लोगों की अस्मिता, पहचान व सांस्कृतिक अधिकारों की मांग है। उन्होंने यह मांग शून्य काल में उठाई और कहा कि कुड़माली केवल एक

भाषा नहीं है, यह झारखंड, पश्चिम बंगाल व ओडिशा के लाखों लोगों की पहचान, संस्कृति व परंपरा का जीवंत माध्यम है। यह भाषा सदियों से हमारी लोक संस्कृति, लोकगीत, परंपराओं व सामाजिक जीवन को संजोए हुए है। जब संविधान की आठवीं अनुसूची में भाषाओं को शामिल किया जाता है, तो इससे न केवल उस भाषा का संरक्षण होता है, बल्कि उसके विकास के नए द्वार भी खुलते हैं,शिक्षा में अवसर बढ़ते हैं, सरकारी मान्यता मिलती है व आने वाली पीढ़ियां अपनी भाषा - संस्कृति से जुड़ी रहती हैं। उन्होंने कहा कि आज जब हम एक भारत, श्रेष्ठ भारत की बात करते हैं, तब यह जरूरी हो जाता है कि हम देश की सभी भाषाओं को समान सम्मान दें। कुड़माली भाषा बोलने वाले लोग लंबे समय से अपने अधिकार व पहचान के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन आज तक उन्हें वह संवैधानिक मान्यता नहीं मिल पाई है, जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने कहा कि इस भाषा का समृद्ध साहित्य, लोककथाएं और सांस्कृतिक विरासत यह साबित करते हैं कि यह किसी भी मान्यता प्राप्त भाषा से कम नहीं है। इसके बावजूद, शिक्षा, प्रशासन व प्रतियोगी परीक्षाओं में इसका उपयोग सीमित है, जिससे इस भाषा के विकास में बाधा उत्पन्न हो रही है।

## आनंद विहार- पुरुलिया ट्रेन सेवा दो अप्रैल से

झारखंड, बिहार और यूपी के यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

संवाददाता

**रांचीः** लंबे इंतजार के बाद रेलवे ने आनंद विहार टर्मिनल और पश्चिम बंगाल के पुरुलिया के बीच नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की घोषणा कर दी है। 14022/14021 आनंद विहार टर्मिनलझपुरुलिया एक्सप्रेस के रूप में संचालित होने वाली यह ट्रेन 2 अप्रैल (गुरुवार) से आनंद विहार से और 4 अप्रैल (शुक्रवार) से पुरुलिया से चलेगी।

14022 हर गुरुवार सुबह पांच बजे आनंद विहार टर्मिनल से खुलेगी और अगले दिन शुक्रवार को 10:40 बजे पुरुलिया पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 14021 पुरुलिया से हर शुक्रवार शाम 17:00 बजे प्रस्थान कर शनिवार रात 23:10 बजे आनंद विहार पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर ठहरावः इस ट्रेन का ठहराव मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, अयोध्या कैंट, वाराणसी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, जपला, गढ़वा रोड, डाल्टनगंज, बरवाडीह, लातेहार, टोरी, लोहरदगा, रांची और मुरी में होगा।

रांची स्टेशन पर यह ट्रेन सुबह लगभग 07:20 बजे पहुंचेगी और 07:30 बजे प्रस्थान करेगी। इस ट्रेन में कुल 22 कोच होंगे, जिनमें वातानुकूलित, स्लीपर और सामान्य श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं। इससे हर वर्ग के यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि 14 मार्च को इस ट्रेन का उद्घाटन पुरुलिया से किया गया था। उद्घाटन के बाद ट्रेन रांची रेलवे स्टेशन पहुंची, जहां से इसे रवाना किया गया। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, राज्यसभा सदस्य महुआ माजी और विधायक सीपी सिंह मौजूद थे।

रांची को मिलेगा बड़ा फायदाः इस ट्रेन के शुरू होने से रांची और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को बड़ा लाभ मिलेगा। खास बात यह है कि अब रांची से लखनऊ और अयोध्या के लिए सीधी ट्रेन सेवा उपलब्ध होगी, जो पहले नहीं थी।

इन दोनों शहरों के लिए लंबे समय से सीधी रेल सेवा की मांग की जा रही थी। इसके अलावा दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

## आदित्य साहू की नई टीम का काउंटडाउन शुरू, हर जिले से शामिल होगें नये चेहरे, फिर बनेगी बीजेपी प्रदेश कमेटी

**रांचीः** भारतीय जनता पार्टी ने अपनी जिला कमेटियों के गठन का काम लगभग पूरा कर लिया है। अगले दो तीन दिन में सभी जिलों में कमेटी की घोषणा कर दी जाएगी। प्रदेश से नियुक्त पर्यवेक्षक जिलों में जाकर पदाधिकारियों का नाम फाइनल कर रहे हैं।

भाजपा ने राज्य में 30 सांगठनिक जिले बनाए हैं। सभी जिलों में नए अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी गई है। प्रदेश से भेजे गए पर्यवेक्षक अपनी रिपोर्ट अध्यक्ष आदित्य साहू को सौंपेंगे। इसके बाद इनके नामों की घोषणा की जाएगी।

जिला कमेटियों के गठन में सामाजिक समीकरण और काम करने वाले कार्यकताओं की क्षमता दोनों का ध्यान रखा जा रहा है। हाल ही में संपन्न हुए स्थानीय निकाय के चुनावों में भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं मिली है।

इसके बाद जिला कमेटियों के गठन को संतुलित बनाने का निर्देश केंद्रीय नेतृत्व ने दिया है। भाजपा अभी कार्यकर्ताओं की नाराजगी और गुटबाजी से बचना चाह रही है।

अप्रैल के मध्य में आदित्य साहू की कमेटी होगी घोषितः प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू जिलों में चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद अपनी कमेटी घोषित करेंगे। नई कमेटी में जिलों से भी कुछ नाम लाए जाएंगे। केंद्रीय नेतृत्व से प्रदेश महामंत्री बनाए जाने वाले नामों पर चर्चा भी हुई है।

जल्द होगा भाजपा का प्रशिक्षण शिविरः भारतीय जनता पार्टी अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए अप्रैल या मई में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करेगी। गिरिडीह के मधुबन में भाजपा का प्रदेश प्रशिक्षण शिविर होगा।

इसके साथ ही जिलों में मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर में केंद्र से भी नेताओं के आने का कार्यक्रम बनाया जाएगा।